पटना ● गुरुवार, 10 अक्टूबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः270 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

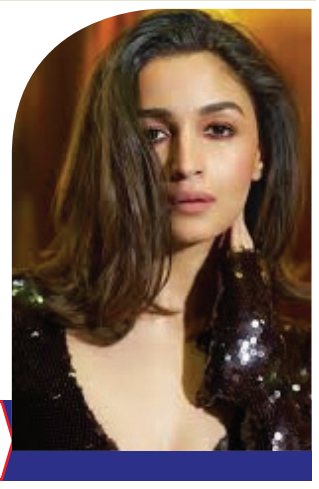

मोतिहारी में खुला दुर्गा माता का पट्ट... 3 www. bordernewsmirror.com आलिया भट्ट की जिगरा का... 7

आठवीं मां महागौरी

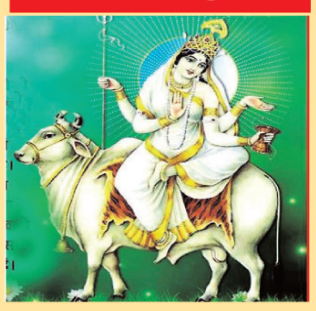

वह रूप जो कि सौन्दर्य से भरपूर है, प्रकाशमान है - पूर्ण रूप से सौंदर्य में डूबा हुआ है। प्रकृति के दो छोर या किनारे हैं - एक मां कालरात्रि जो अति भयावह, प्रलय के समान है, और दूसरा मां महागौरी जो अति सौन्दर्यवान, देदीप्यमान, शांत है-पूर्णत: करुणामयी, सबको आशीर्वाद देती हुई।

उद्धव बनाएंगे दबाव, हेमंत भी करेंगे सौदेबाजी

हरियाणा में कांग्रेस की हार से गदगद होंगे सहयोगी

मुंबई (एजेंसी)। हरियाणा में कांग्रेस की हार निश्चित रूप से विपक्षी दलों के गठबंधन के लिए एक अप्रत्याशित झटका थी। हालांकि इस नतीजे ने क्षेत्रीय दलों को सौदेबाजी में मजबूत स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है। इसके सबसे पहले असर महाराष्ट्र और झारखंड जैसे राज्यों में दिखेगा, जहां इसी साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। लोकसभा चुनाव में 99 सीटें जीतने के बाद उत्साहित कांग्रेस को बैकफुट पर धकेलने में सहयोगियों को सफलता मिल सकती है। मंगलवार को कांग्रेस जैसे ही हरियाणा में पिछड़ने लगी तो शिवसेना यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रतिक्रिया देने में कोई समय नहीं गंवाया। उन्होंने कहा,सत्ता विरोधी लहर के बाद भी भाजपा कहीं न कहीं जीत रही है। इससे पता चलता है कि कांग्रेस को अपनी लड़ाई की योजनाओं पर फिर से विचार करना होगा। अपने भीतर झांकना होगा और इस बात को ध्यान में रखना होगा कि जब

भी भाजपा से सीधी लड़ाई होती है तो कांग्रेस कमजोर पड़ती दिखती है। उसे पूरे गठबंधन पर फिर से काम करना होगा। महाराष्ट्र में चुनाव नजदीक हैं। यहां कांग्रेस उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी के साथ गठबंधन में है। अति आत्मविश्वास से भरी कांग्रेस सीट शेयरिंग और उद्धव ठाकरे को सीएम कैंडीडेट के तौर पर पेश करने की शिवसेना की मांग पर उतनी संवेदनशील नहीं दिख रही है। हरियाणा में हार और जम्मू में खराब प्रदर्शन को देखते हुए कांग्रेस अपने अहंकार को किनारे रखकर सहयोगियों को तरजीह दे सकती है। हरियाणा में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली है। वह अकेले चुनाव लड़ी थी। उनके लिए दिल्ली में होने वाले चुनावों के लिए समीकरण बनाना आसान हो सकता है। केजरीवाल ने मंगलवार को कांग्रेस नेतृत्व को याद दिलाया कि किसी भी चुनाव को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। हर चुनाव और हर सीट कठिन होती है। उन्होंने कहा, आइए देखें कि हरियाणा में क्या परिणाम आते हैं। इसका सबसे बड़ा सबक यह है कि चुनावों में कभी भी अति आत्मविश्वासी नहीं होना चाहिए। महाराष्ट्र के साथ ही चुनाव की तैयारी कर रहे झारखंड सीएम सोरेन की ओर से अभी तक कोई बयान नहीं आया है।

हरियाणा में 50 हुई बीजेपी, मिला निर्दलियों का साथ

● जीत के बाद खिंचे चले आए दो एमएलए, समर्थन का ऐलान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक बार फिर लट्ठ गाड़ दी है। हरियाणा में जीत के बाद भाजपा एक बार फिर सत्ता कायम कर ली है। लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही भाजपा को इस बार 48 सीटों पर जीत मिली, जबकि कांग्रेस को 37 सीटों से ही संतोष करना पड़ा। आईएनएलडी ने 2 सीटों पर जीत दर्ज की, वहीं 3 निर्दलीय विधायक भी चुने गए। अब नतीजों के बाद दो निर्दलीय विधायक- देवेंद्र कादयान और राजेश जून ने भाजपा को समर्थन देने का ऐलान किया। इस

तरह हरियाणा विधानसभा में भाजपा की ताकत 50 की हो गई है। न्यूज एजेंसी से बातचीत में गन्नौर विधानसभा से चुने गए विधायक देवेंद्र कादयान कहा,मैं भाजपा सरकार को समर्थन दे रहा हूं। गन्नौर की 36 बिरादरियों ने मुझे वोट दिया है और उनकी उम्मीदें तभी पूरी हो सकती हैं जब मैं सरकार के साथ जाऊं। हम गन्नौर के विकास के लिए भाजपा का समर्थन करेंगे।

मैं पहले भी भाजपा में था और यह सभी मेरे परिवार की तरह हैं। मैं पार्टी में शामिल नहीं हो रहा हूं, लेकिन सरकार का समर्थन करूंगा। उल्लेखनीय है कि कादयान भाजपा के बागी हैं। भाजपा पहले ही हरियाणा में जादुई आंकड़ा पार कर चुकी है, बावजूद इसके कादयान का यह समर्थन भाजपा के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

आतंकवादियों की नई हिमाकत

अनंतनाग से सेना के जवान को किया अगवा,शव मिला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर में प्रादेशिक सेना के दो जवानों का आतंकवादियों ने मंगलवार अपहरण कर लिया है। उनका शव जंगल में बरामद किया गया है। हालांकि, अब तक इसे लेकर सेना की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। घटना अनंतनाग की बताई जा रही है। सूचना लगते ही सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया था। समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि आतंकवादियों ने अनंतनाग से कथित तौर पर प्रादेशिक सेना के जवान का अपहरण कर लिया है। एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से लिखा कि अनंतनाग के जंगल इलाके में कथित तौर पर दो सैनिकों का अपहरण किया गया था, लेकिन इनमें से एक चंगुल से छूटने में सफल रहा। समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि जवान का शव बरामद कर लिया गया है। उनके शरीर पर गोली के निशान पाए गए हैं। जवान कल से ही गायब थे और उनकी तलाश में सुरक्षाबलों की तरफ से तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। एजेंसी के अनुसार, सूत्रों ने कहा,जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग में जंगल के इलाके में प्रादेशिक सेना के दो जवानों का आतंकवादियों ने अपरण कर लिया था। हालांकि, एक जवान वापस आने में सफल रहा। सुरक्षाबलों ने गायब हुए जवान की तलाश के लिए ऑपरेशन शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, जिस 26 वर्षीय जवान का अपहरण किया गया है, वह दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के रहने वाले थे। जम्मू और कश्मीर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, जंगल के इलाकों में आतंकवादियों की गतिविधियों के इनपुट्स मिले थे।

देश से बहुत जल्द होगा कुपोषण का खात्मा

17,082 करोड़ की स्कीम पर मोदी सरकार की मुहर, बड़ा है प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एनीमिया और पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए 17,082 करोड़ रुपये की लागत वाली एक स्कीम को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत फोर्टिफाइड चावल को बढ़ावा दिया जाएगा। योजना का पूरा खर्च केंद्र सरकार उठाएगी। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, 2019 से 2021 के बीच एनीमिया भारत में एक बड़ी समस्या बनी हुई है। यह बच्चों, महिलाओं और पुरुषों सभी को प्रभावित करता है। आयरन की कमी के अलावा, विटामिन बी12 और फोलिक एसिड जैसी अन्य विटामिन और खनिज की कमी भी बनी रहती है। इससे लोगों के स्वास्थ्य और उत्पादकता पर असर पड़ता है। दुनिया भर में एनीमिया और कुपोषण से निपटने के लिए खाद्य पदार्थों को फोर्टिफाइड किया जाता है। भारत में 65 फीसदी लोग चावल खाते हैं।

ऐसे में पोषक तत्वों की आपूर्ति के लिए चावल एक आदर्श माध्यम है। चावल फोर्टिफिकेशन में एजेंसी की ओर से निर्धारित मानकों के अनुसार सूक्ष्म पोषक तत्वों (आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी 12) से समृद्ध फोर्टिफाइड राइस कर्नेल को सामान्य चावल में मिलाया जाता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुजरात के लोथल में नेशनल मेरिटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स के विकास को भी मंजूरी दे दी है। यह दो चरणों में पूरा होगा। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

डायनासोर वापस आ सकते हैं, लेकिन कांग्रेस नहीं

● केन्द्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का कांग्रेस पर तीखा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने हरियाणा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की हार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि बाकी पार्टियां काफी आगे निकल चुकी है, लेकिन कांग्रेस पार्टी आज भी परिवार से बाहर नहीं निकल पा रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि डायनासोर वापस आ सकते हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी सत्ता में बिल्कुल वापस नहीं आ सकती है। आपको बता दें कि पूर्व

कांग्रेस रवनीत सिंह बिट्टू गांधी परिवार और खासकर राहुल गांधी के मुखर आलोचक रहे हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थामा था। लोकसभा चुनाव में भले ही उन्हें सफलता नहीं मिली, लेकिन पीएम मोदी ने उन्हें अपनी कैबिनेट में जगह देकर उनका कद बड़ा कर दिया। इससे पहले रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस पार्टी को नसीहत देते हुए कहा था कि अगर कांग्रेस पार्टी को विरोध करना है तो वह राहुल गांधी का करे ।' आपको बता दें कि राहुल गांधी के द्वारा विदेशों में दिए बयान को लेकर हमला बोला था। बिट्टू ने कहा था, वायु सेना प्रमुख पगड़ी बांधते हैं और सीआईएसएफ का प्रमुख एक सिख है। मैं आपके सामने बैठा हूं। ऐसी बातें करना। इसका मतलब क्या है।

कांग्रेस सांप्रदायिक पार्टी, देश को बांटने की राजनीति करती है

● पीएम मोदी का कांग्रेस पर बड़ा हमला, कहा-जातिवाद पर लड़ती है चुनाव ● कहा-मुस्लिमों की बात आने पर इनके नेताओं के मुंह पर ताला लग जाता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए महाराष्ट्र में 7600 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस मौके पर पीएम ने कहा कि कांग्रेस देश को बांटने की राजनीति करती है।

पीएम ने कहा- कांग्रेस के एक भी नेता ने आज तक नहीं कहा कि हमारे मुस्लिम भाई-बहनों में कितनी जातियां होती हैं। मुस्लिम जातियों की बात आते ही कांग्रेसी नेता मुंह पर ताला लगा कर बैठ जाते हैं, लेकिन जब भी हिंदू समाज की बात आती है, तो कांग्रेस उनकी चर्चा जाति से ही शुरू करती है।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस मुसलमानों के मन में भय का माहौल पैदा कर रही है। कांग्रेस लोगों में डर पैदा करती है। कांग्रेस अपने वोट बैंक की खातिर देश का सांप्रदायिककरण कर रही है। कांग्रेस का फॉर्मूला साफ है कि मुसलमानों को डराते रहो, उनको भय दिखाओ, उनको वोट बैंक में कन्वर्ट करो और वोट बैंक को मजबूत करो। कांग्रेस की नीति हिंदुओं की एक जाति को दूसरी जाति से लड़ाने की है। कांग्रेस जानती है हिंदू जितना बंटेगा, उतना ही उसका फायदा होगा। कांग्रेस किसी भी तरीके से हिंदू समाज में आग लगाए रखना चाहती है, ताकि वो उस पर राजनीतिक रोटियां सेंकती रहे। भारत में जहां भी चुनाव होते हैं, वहां कांग्रेस यही फॉर्मूला लागू करती है। कांग्रेस बोली- विपक्ष पर हमला करने के लिए सरकारी मंच का उपयोग क्यों कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक्स पर पोस्ट किया- राजनीतिक भाषण देने और विपक्ष पर हमला करने के लिए पीएम मोदी को सरकारी कार्यक्रम के मंच का उपयोग नहीं करना चाहिए। टैक्स पेयर के पैसे का इस्तेमाल भोग-विलास के लिए नहीं किया जा सकता है और न ही किया जाना चाहिए। राजनीतिक भाषण के लिए वह भाजपा के मंच का उपयोग कर सकते हैं। मोदी ने कहा- कांग्रेस पूरी तरह से सांप्रदायिक और जातिवाद का चुनाव लड़ती है।

यूपी उपचुनाव में सपा का पीडीए यानि परिवार पॉलिटिक्स

● अखिलेश के छह में पांच कैंडीडेट पत्नी, बच्चे और रिश्तेदार

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी में दस सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए बुधवार को छह प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर दिया। प्रत्याशियों के नामों की घोषणा के साथ एक बार फिर पीडीए का नारा दिया गया है। एक्स पर लिखा गया है कि होगा पीडीए के नाम एकजुट मतदान। जबकि नामों की लिस्ट देखने पर साफ है कि अखिलेश यादव ने ज्यादा भरोसा नेताओं के परिवारों पर ही जताया है। छह में से पांच सीटों पर नेताओं के बेटे-बेटी, पत्नी और रिश्तेदार को टिकट दिया गया है। यूपी में कटेहरी (अंबेडकर नगर), करहल (मैनपुरी), मिल्कीपुर (अयोध्या), मीरापुर (मुजफ्फरनगर), गाजियाबाद, मझवां (मिर्जापुर), सीसामऊ (कानपुर नगर), खैर (अलीगढ़), फूलपुर (प्रयागराज) और कुंदरकी (मुरादाबाद) में उपचुनाव होने हैं। सपा ने इनमें से अयोध्या की मिल्कीपुर, मैनपुरी की करहल, अंबेडकरनगर की कटेहरी, मिर्जापुर की मझवां, कानपुर की सिसामऊ और प्रयागराज की फूलपुर सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। सबसे ज्यादा चर्चित अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर अजित प्रसाद को उतारा गया है। अजीत प्रसाद इसी सीट से विधायक रहे और अब सपा के सांसद बन गए अवधेश प्रसाद के बेटे हैं। अखिलेश ने अपनी सीट करहल से परिवार के ही तेज प्रताप यादव को टिकट दिया है। तेज प्रताप यादव बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के दामाद और अखिलेश यादव के भतीजे लगते हैं। वह पहले भी मैनपुरी से सांसद रह चुके हैं। कानपुर की सीसामऊ सीट से नसीम सोलंकी को उतारा गया है। नसीम यही से पूर्व विधायक इरफान सोलंकी की पत्नी हैं। इरफान की सजा के कारण ही यह सीट रिक्त हुई है।

हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह के उत्तराधिकारी सैफिद्दीन की मौत

पिछले हफ्ते एयरस्ट्राइक में मारा गया,इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने की पुष्टि

बेरूत/तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह के

उत्तराधिकारी हाशेम सैफिद्दीन की मौत की पुष्टि कर दी है। टाइम्स ऑफ इजराइल की खबर के मुताबिक सैफिद्दीन पिछले हफ्ते गुरुवार को बेरूत में हुई एयरस्ट्राइक में मारा गया है। नेतन्याहू से पहले कल शाम रक्षामंत्री योव गैलेंट ने भी उसकी मौत का दावा किया था। 27 सितंबर को इजराइली हमले में मारे गए हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह के बाद, सैफिद्दीन को अगले चीफ का अहम दावेदार माना जा रहा था। वो पिछले 30 सालों से हिजबुल्लाह का एग्जीक्यूटिव काउंसिल का प्रमुख बना दिया गया था। वर्तमान में सैफिद्दीन हिजबुल्लाह की एग्जीक्यूटिव काउंसिल का सदस्य और हसन नसरल्लाह का ममेरा भाई था। सैफिद्दीन का जन्म 1964 में लेबनान के डेर कानून अल-नहर शहर में हुआ था। सैफिद्दीन और नसरल्लाह दोनों ने एक साथ धार्मिक शिक्षा ली है। ये दोनों ईरान के कौम और इराक के नजफ जैसे प्रमुख शिया शिक्षा केंद्रों में एक साथ पढ़े हैं। 1990 के दशक में दोनों को इस्लामी शिक्षा के दौरान ईरान से वापस बुला लिया गया था। नसरल्लाह व सैफिद्दीन दोनों ने ही हिजबुल्ला के शुरुआती दिनों में संगठन से जुड़े।

अयोध्या में साधुवेश में छिपे थे, भिक्षा मांग करते थे गुजारा

साधु बनकर रह रहे थे हत्या के दोनों आरोपी, पुलिस ने धर दबोचा

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में 17 साल पहले हत्या कर फरार चल रहे दो शातिर आरोपियों को पुलिस ने रामनगरी अयोध्या से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। दो शख्स अयोध्या में साधु वेश धारण कर पहचान छिपाए हुए थे। इनकी पहचान विजय उर्फ संजय और सीताराम उर्फ विजय के रूप में हुई है। दोनों पर 15-15 हजार का ईनाम था। पुलिस ने इनको राम जन्मभूमि थाना क्षेत्र से पकड़ा और गोंडा की अदालत में पेश किया। गोंडा के नवाबगंज थाना क्षेत्र में स्थित गांव तुलसीपुर माझा में छह जून, 2007 को घर से बुलाकर महावीर सिंह की हत्या कर दी गई थी। दोनों आरोपी विजय और सीताराम मौके से फरार हो गए थे। यह हत्या मठ के स्वामित्व और जमीन विवाद को लेकर हुई। लंबे समय से गोंडा पुलिस इन दोनों आरोपियों को ढूंढ रही थी।

हरियाणा में अप्रत्याशित हैं परिणाम, चुनाव आयोग जाएंगे

● नतीजों पर पहली बार बोले राहुल गांधी, अपनों के निशाने पर पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा और जम्मू कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे आ गए हैं। बीजेपी ने हरियाणा में हैट्रिक लगाते हुए बहुमत का आंकड़ा पार किया है वहीं दूसरी तरफ जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और उमर अब्दुल्ला की नेशनल कांफ्रेंस को जीत मिली है। जहां एक ओर राजनीतिक विश्लेषक इन परिणामों पर समीक्षा करने में जुटे हैं वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी को हरियाणा में मिली हार से झटका लगा है। अब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इन चुनावी नतीजों पर पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने हरियाणा में मिली हार को अप्रत्याशित बताया है। वहीं राहुल गांधी ने जम्मू कश्मीर के लोगों को जीत के लिए आभार भी व्यक्त किया है। राहुल गांधी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने जज्बात साझा किए। उन्होंने लिखा, जम्मू-कश्मीर के लोगों का तहे दिल से शुक्रिया। प्रदेश में इंडिया की जीत संविधान की जीत है। लोकतांत्रिक स्वाभिमान की जीत है। वहीं हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों पर बात करते हुए राहुल गांधी ने लिखा, हम हरियाणा के अप्रत्याशित नतीजे का विश्लेषण कर रहे हैं। अनेक विधानसभा क्षेत्रों से आ रही शिकायतों से चुनाव आयोग को अवगत कराएंगे। राहुल गांधी ने हरियाणा वासियों के समर्थन के लिए आभार भी जताया। उन्होंने आगे लिखा, सभी हरियाणा वासियों को उनके समर्थन और हमारे बब्बर शेर कार्यकर्ताओं को उनके अथक परिश्रम के लिए दिल से धन्यवाद।

पटना के नौलखा मंदिर में 28 साल से बाबा नागेश्वर कर रहे तप, बोले- मां के आशीर्वाद से सब होता है पूरा

सीने पर 21 कलश रखकर मां दुर्गा की आराधना

पटना, एजेंसी। पटना में दुर्गा पूजा पर माहौल भक्तिमय हो गया है। माता के दर्शन के लिए मंदिरों में भक्तों का तांता लगा हुआ है। यहां कई ऐसे शक्तिपीठ है जिसकी महिमा निराली है। मां दुर्गा के भक्त अपने-अपने तरीके से आस्था के साथ पूजा कर रहे हैं।

पटना में एक ऐसा अनोखा भक्त है, जो अपने सीने पर 21 कलश रखकर मां की अराधना करते हैं। नवरात्रि पर सचिवालय स्थित नौलखा मंदिर के पुजारी नागेश्वर बाबा पिथले 28 साल से 9 दिनों तक सीने पर कलश रखते हैं। मान्यता है की इस मंदिर में लोगो की मन्नतें पूरी होती है।

मुझे भी समझ में नहीं आता कैसे कर लेता हूं: बाबा नागेश्वर(64) ने कहा कि मेरा उद्देश्य है धर्म की जय हो और अधर्म का नाश हो। प्राणियों में सद्भावना हो और संपूर्ण देशवासियों का कल्याण हो। नौलखा मंदिर के देवी का नाम मनोकामना माता है।

भक्त जो भी मुराद लेकर यहां आते हैं, मां उसे पूरा करती हैं। मां की कृपा है जिसकी वजह से मैं अपने सीने पर 21 कलश लेकर पूरे नवरात्र निर्जला उनकी चरणों में रह जाता हूं। वो भी बिना नित्य क्रिया किए हुए। 28 साल हो गए, लेकिन मुझे भी समझ नहीं आता कि मैं कैसे ये कर पाता हूं। बाबा नागेश्वर ने बताया कि 28 साल पहले एक कलश के साथ उपवास की शुरुआत की थी। धीरे-धीरे करके 21 कलश के साथ हर साल करने लगे। खास बात यह है कि इन सारे 21 कलश में जल भरे हुए हैं, जिसका वजन 50 किलो है। 36 साल की उम्र से लगातार सीने पर कलश रखकर माता की आराधना करते आ रहे हैं। मां के आशीष से ये कठिन साधना पूरा हो पता है।

नवरात्र शुरू होने के 15 दिन पहले से रखते हैं व्रत: पूरे नवरात्र बाबा को न भूख-प्यास लगती है और न ही शौचालय जाते हैं। नवरात्र से 15 दिन पहले ही मां दुर्गा के लिए व्रत रखना शुरू कर देते हैं। धीरे-धीरे करके अन्न-जल त्यागते हैं। फिर दो दिन पहले से पूरे तरीके से खाना-पीना छोड़ देते हैं। दशहरा समाप्त होने के बाद एकादश को भोजन ग्रहण करते हैं।

माता की शक्ति से कुछ भी संभव है: मंदिर के संस्थापक विजय यादव ने कहा कि बाबा को तपस्या करते हुए 28 साल पूरे हो गए हैं। अन्न-जल और नित्य क्रिया त्यागकर अपने सीने पर 21 कलश लिए हुए हैं। उनको देखने के लिए पूरे बिहार के अलग-अलग जगहों से लोग आते हैं। यह मंदिर भी शक्तिपीठ है। इसका नाम मनोकामना नौलखा मंदिर है। जैसा बाबा कर रहे हैं वो कभी भी संभव नहीं था। कहते हैं न कि शक्ति में ही भक्ति है। माता की शक्ति ही है, जिसके वजह से वह ये कर पाते हैं।

तीन साल तक मां कामाख्या मंदिर में की थी उपासना: बाबा नागेश्वर बताते हैं कि वर्ष 1985 के दौरान गुवाहटी स्थित मां कामख्या मंदिर में नवरात्र के मौके पर कठिन तपस्या की थी। लगातार तीन साल तक हर नवरात्र में मां की चौखट पर प्रार्थना करने पहुंच जाते थे। बाबा बताते हैं कि घर वालों का भी सहयोग रहा। मां की कृपा पाने के बाद रोजी-रोटी के लिए पटना आ गए। अपना पेट भरने के लिए मंदिर के पास स्थित होटलों में पानी देने का काम करते रहे, कुछ समय बाद मंदिर में नवरात्र के समय मां की पूजा आरंभ की।

वर्ष 1996 से बाबा नागेश्वर हर साल अपने सीने पर कलश स्थापित कर नवरात्र में मां दुर्गा की उपासना करते हैं। पहले साल उन्होंने सीने पर एक कलश रखा था। बाद में कलशों की संख्या में बढ़ोतरी होते गई और अब सीने पर 21 कलश रखकर नवरात्र में मां की पूजा कर रहे हैं।

15 दिन पहले से आरंभ होता है अनुष्ठान: नागेश्वर की मानें तो शारदीय नवरात्र के समय होने वाले अनुष्ठान को लेकर 15 दिन पहले योगाभ्यास आरंभ कर देते हैं। इसके लिए दिन और रात मिलाकर थोड़ा-थोड़ा करते हुए अन्न और जल का इस्तेमाल कम करते हैं। नवरात्र आरंभ होने के तीन-चार दिन पहले अन्न और जल का प्रयोग नहीं के बराबर करते हैं। इसी तरह से अभ्यास करते हुए कई साल बीत गए। नवरात्र में नौ दिनों तक बगैर अन्न-पानी के रहते हैं।

इस दौरान नित्य के क्रियाकलाप भी बंद हो जाते हैं। अपने सीने पर कलश लेकर नौ दिनों तक की मां की आराधना में लीन रहते हैं। 60 वर्षीय नागेश्वर बाबा बताते हैं कि ऐसा सिलसिला जारी रखे हुए यह उनका 26वां साल है। एक कलश के साथ आरंभ हुआ सिलसिला 21 कलशों के साथ तक पहुंच गया पता हीं नहीं चला। ये सब मां दुर्गा की कृपा है।

शरीर में होता है ऊर्जा का प्रभाव, आती है खूब नींद: बाबा की मानें तो नवरात्र के समय मां की आराधना करने के दौरान शरीर में किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होती है, बल्कि एक प्रकार की ऊर्जा मिलती है।

वे बताते हैं कि इन नौ दिनों के अंदर खूब नींद आती है। लगता है कि मां अपने गोद में सुला रही हों। कभी-कभी मन काफी व्याकुल हो जाता है लेकिन जैसे ही मन को एकाग्र कर मां की ओर ले जाता हूं तो फिर सबकुछ सामान्य हो जाता है। उनका कहना है कि यह सब मां के आशीष के बिना संभव नहीं हो सकता।

संक्षिप्त समाचार

बरुराज में नवविवाहिता की हत्या दो हिरासत में

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बरुराज थाना क्षेत्र के छिपुलिया गांव में मंगलवार को नवविवाहिता रूबी कुमारी को दहेज के लिए मार देने का मामला सामने आया है। वह गांव के रंजन कुमार राम की पत्नी थी। उसके पिता देवरिया निवासी रवींद्र राम के लिखित शिकायत पर थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले में रूबी के पति रंजन कुमार राम और सास को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि रूबी कि शादी तकरीबन डेढ़ साल पहले रंजन से हुई थी। हाल ही में रूबी का अपेंडिस का ऑपरेशन भी हुआ था। थानाध्यक्ष संजीव कुमार दुबे ने बताया कि रवींद्र राम ने दहेज के लिए पुत्री कि हत्या ससुराल वाले द्वारा कर दिए जाने का आरोप लगाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के पर मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। पति और सास को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

देसी कट्टा के साथ दो गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मनियारी थाना क्षेत्र के एनएच 28 भुजुंगी चौक के पास मनियारी पुलिस ने एक बाइक पर सवार दो युवकों को पकड़ा है। उसके पास से एक देसी कट्टा और दो गोली बरामद हुई है। मनियारी थानाध्यक्ष देवव्रत कुमार ने बताया कि सोमवार की रात गश्ती के दौरान एनएच 28 भुजुंगी चौक की ओर आते एक बाइक दिखी। इसपर दो युवक सवार थे। पुलिस ने दोनों को पीछा कर पकड़ा। तलाशी लेने पर एक के पास से एक एक कट्टा और दो गोली बरामद हुई। गिरफ्तार युवकों में एक हिमांचल कुमार व दूसरा प्रिंस कुमार है। दोनों छितरौली गांव का रहनेवाला है। पूछताछ के बाद दोनों को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हरियाणा की चुनावी जीत से भाजपा कार्यकर्ता गदगद

गया, एजेंसी। शेरघाटी, निज संवाददाता। हरियाणा विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत को लेकर यहां पार्टी के कार्यकर्ताओं ने खुशी व्यक्त करते हुए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व सहित हरियाणा के मतदाताओं को बधाई दी है। पार्टी नेताओं का कहना था कि तमाम राजनीतिक भविष्यवाणियों को गलत साबित करते हुए भाजपा को राज्य में लगातार तीसरी बार महान मतदाताओं ने सरकार गठन का मौका दिया है। यह पार्टी की नीतियों और सधे हुए नेतृत्व की जीत है। बधाई देने वालों में अरूण कुमार चंद्रवंशी, अशोक सिंह और गोपाल स्वर्णकार आदि शामिल हैं।

सिटी एसपी ने शेरघाटी के पूजा पंडालों का लिया जायजा

गया, एजेंसी। गया की सिटी एसपी प्रेरणा कुमार ने मंगलवार की शाम अचानक शेरघाटी पहुंचकर विभिन्न पूजा पंडालों और मूर्ति विसर्जन मार्गों का मुआयना किया। उन्होंने शहर के बीचोंबीच स्थित रंगलाल हाई स्कूल के मैदान का भी जायजा लिया, जहां दशहरा के मौके पर रावण वध कार्यक्रम प्रस्तावित है।

उन्होंने स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान सुरक्षा तैयारियों का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जन सुरक्षा के लिए अधिकारियों को कई निर्देश भी दिए। करीब दो घंटे तक शेरघाटी में ठहरी सिटी एसपी ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि पूजा की भीड़ भाड़ में किसी भी श्रद्धालु या आमजन को सुरक्षा की दृष्टि से कोई असुविधा नहीं हो।

डॉ राजेश्वर बने डिप्टी डायरेक्टर

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। एलएस कॉलेज के हिंदी विभाग के डॉ. राजेश्वर को बिहार विवि के एकेडमिक स्टाफ कॉलेज का उप निदेशक बनाया गया है। विवि प्रशासन ने मंगलवार को इसकी अधिसूचना जारी की। अभी एकेडमिक स्टाफ कॉलेज में सिर्फ निदेशक काम रहे थे।

बिहार में चल रहे 37 हजार स्कूलों के पास नहीं है मान्यता, सर्टिफिकेट का वैल्यू भी नहीं

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार में बिना मान्यता के 37 हजार से अधिक निजी स्कूल चल रहे हैं। निजी विद्यालयों की मान्यता को लेकर हुई समीक्षा में मामला सामने आया है। सूबे के सभी निजी विद्यालयों को मान्यता लेने के लिए आवेदन करना था। कुल 49702 निजी स्कूलों ने आवेदन किया, मगर इनमें 11995 ही मान्यता ले सके। इनमें भी 5562 निजी विद्यालयों ने ही पोर्टल पर अपने यहां नामांकन के लिए उपलब्ध सीट की सूचना अपलोड की।

मुजफ्फरपुर जिले में 2227 में 585 स्कूल ही मान्यता प्राप्त हैं। प्राथमिक शिक्षा निदेशक पंकज कुमार ने बिना मान्यता व मान्यता मिलने के बाद भी सीट अपलोड नहीं करने वाले स्कूलों पर कार्रवाई को लेकर सभी जिलों को आदेश दिया है।

बता दें कि बच्चों की मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा नियमावली, 2011 के तहत जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया था कि अपने-अपने जिले में संचालित निजी विद्यालयों की मान्यता को लेकर 10 अगस्त तक ई-संबद्धन पोर्टल पर आवेदन कराना सुनिश्चित करें। आवेदन तिथि बढ़ाकर 17 अगस्त की गयी। 49702 निजी विद्यालयों ने आवेदन किया, मगर इनमें महज 11,995 ने ही मान्यता प्राप्त किया है।

बाकी ने रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी नहीं की। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि 11,995 मान्यता प्राप्त विद्यालयों में से महज 5,562 निजी विद्यालयों ने ही पोर्टल पर अपने यहां उपलब्ध सीट की जानकारी अपलोड की। बिना मान्यता वाले स्कूल में पढ़ रहे बच्चों का कोई भी सर्टिफिकेट मान्य नहीं होगा। जिला समेत राज्य के ऐसे स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों का सरकारी रिकॉर्ड में भी नाम नहीं दर्ज होगा। अभिभावकों को इसे लेकर सजग रहने को कहा गया है।

डीईओ अजय कुमार ने बताया कि बिना मान्यता वाले और मान्यता मिलने के बाद भी सीट अपलोड नहीं करने वाले स्कूलों को पहले 15 दिन का नोटिस दिया जाएगा, इसके बाद उनको नियमावली के अनुसार बंद करने की कार्रवाई की जाएगी। ऐसे स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को नजदीक के मान्यताप्राप्त स्कूलों से जोड़ा जाएगा।

इन जिलों में यह स्थिति

पटना में 4511 में 926 मान्यताप्राप्त, सीतामढ़ी में 1463 में 665, वैशाली में 2097 में 466, पश्चिम चंपारण में 2375 में 301, पूर्वी चंपारण में 1701 में 259, गया में 2367 में 353, दरभंगा में 1457 में 326 स्कूल ही मान्यताप्राप्त हैं।

पर्यटकों से भरी मिनी बस गड्ढे में पलटी, 8 यात्री घायल

जहानाबाद, एजेंसी। जहानाबाद में पर्यटकों से भरी ट्रेवलर (मिनी बस) को अज्ञात ट्रक ने बुधवार की सुबह टक्कर मार दिया। इसके कारण ड्राइवर ने संतुलित खो दिया और गाड़ी सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। इसमें 8 पर्यटक गंभीर रूप से घायल हो गए। फिलहाल सभी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार घटना गया-पटना एनएच-83 पर कडौना थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव के पास की है।

सभी घायलों का चल रहा इलाज

पर्यटकों के ट्रांस्लेटर शिव शंकर कुमार ने कहा कि ट्रेवलर में कुल 23 लोग सवार थे। सभी लोग नेपाल से बोध गया जा रहे थे। जैसे ही गाड़ी सलेमपुर गांव के पास पहुंची। दूसरी दिशा से आ रहे अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दिया। इसके कारण गाड़ी गड्ढे में पलट गई। इसके बाद घटना की सूचना कडौना थाने की पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया।

तीन पर्यटकों की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उन्हें पीएमसीएच रेफर कर दिया है। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। मामले को लेकर पुलिस का कहना है कि ट्रक के बारे में पता लगाया जा रहा है। इसके बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा बताया जा रहा है कि सभी लोग बौद्ध भिक्षुक है और लगभग सभी लोग विदेशी पर्यटक है।

पहले ट्रेनिंग फिर सर्टिफिकेट, बिहार के राजमिस्त्रियों को विदेश में भी मिलेगा काम

पटना, एजेंसी। बिहार के राजमिस्त्रियों को बड़ी निर्माण कंपनियों और विदेशों में काम करने के ज्यादा मौके मिलेंगे। इसके लिए राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षण देकर राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) का प्रमाण पत्र दिया जाएगा। मंगलवार को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और एनएसडीसी के बीच इस संबंध में समझौता पत्र(एमओयू) पर हस्ताक्षर हुआ।प्राधिकरण सचिव मीनेंद्र कुमार और एनएसडीसी प्रमुख मयंक भटनागर के बीच एमओयू का औपचारिक आदान-प्रदान किया गया। प्राधिकरण सभागार में हुए समारोह में प्राधिकरण उपाध्यक्ष डॉ. उदयकांत, सदस्य नरेंद्र कुमार सिंह, पीएन राय, कौशल किशोर मिश्र और प्रकाश कुमार मौजूद रहे। 26 करोड़ की लागत वाली इस योजना की अवधि 3 वर्षों की है। इसके तहत राज्य के सभी 534 प्रखंडों के 30-30 राजमिस्त्रियों को दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्हें ₹700 प्रतिदिन की दर से क्षतिपूर्ति राशि का भुगतान किया जाएगा। एक उन्नत टूल किट, प्राधिकरण तथा निगम के संयुक्त हस्ताक्षर से प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे।

इस मौके पर प्राधिकरण उपाध्यक्ष उदयकांत ने कहा कि राज्य में बीस हजार राजमिस्त्रियों को पहले ही प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसलिए एनएसडीसी रोजगार लायक प्रशिक्षण दे यानी उन्हें राज्य और विदेशों में काम करने का प्रशिक्षण दे। उन्हें सही अवस्था में बैठकर काम करने और नशा से बचने की सलाह देकर भी जागरूक करे। उन्होंने कहा कि उन्हें मिलने वाले प्रमाण पत्र की मान्यता देश एवं वैश्विक स्तर पर हो।

बिजली बिल नहीं भरा तो लेट फाइन नहीं देना होगा, स्मार्ट मीटर वालों को बड़ी राहत की तैयारी

पटना, एजेंसी। बिजली बिल से विलम्ब शुल्क अधिभार (डीपीएस) हटेगा। बिजली कंपनी ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है। कंपनी ने बिहार विद्युत विनियामक आयोग में एक याचिका दायर की है। आयोग का फैसला आते ही बिजली बिल से डीपीएस हट जाएगा। हालांकि, डीपीएस हटने का निर्णय केवल स्मार्ट प्रीपेड मीटर पर ही लागू होगा। कंपनी अधिकारियों के अनुसार पूर्व के वर्षों में विनियामक आयोग की ओर से दिए गए निर्णय के अनुसार उपभोक्ताओं से डेढ़ (1.50) फीसदी डीपीएस वसूली जाती है। यह राशि तब वसूली जाती है जब कोई बिजली उपभोक्ता कंपनी की ओर से निर्धारित तिथि तक बिजली बिल का भुगतान नहीं करते हैं।

बिजली बिल जमा नहीं करने पर हर महीने यह राशि बढ़ते चली जाती है। चूंकि बिहार में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा रहे हैं। स्मार्ट मीटर में उपभोक्ता अग्रिम राशि जमा किया करते हैं। इसलिए तय समय पर बिल भुगतान का नियम

अब महत्वहीन हो गया है। लेकिन कंपनी की ओर से वसूले जा रहे डीपीएस को हटाने के नियम को कानूनी रूप से हटाया जाना जरूरी है। इसलिए बिजली कंपनी ने सप्लाई कोड में बदलाव संशोधन करने के लिए विनियामक आयोग के समक्ष याचिका दायर की है। आयोग की ओर से इस पर सुनवाई जारी है और जल्द ही इस पर फैसला आ जाएगा।

एडवांस जमा पर कंपनी दे रही ब्याज स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने वाले उपभोक्ता अगर एडवांस राशि दे रहे हैं तो उन्हें बैंक से अधिक ब्याज दिया जा रहा है। उपभोक्ताओं को अपने एकाउंट में न्यूनतम रकम 2000 रखना होगा। तीन महीने तक प्रतिदिन स्मार्ट प्रीपेड मीटर में न्यूनतम दो हजार रखने पर 6.75 ब्याज प्राप्त हो रहा है। तीन महीने से छह महीने तक लगातार दो हजार से अधिक बैलेंस रहने पर उपभोक्ताओं को ब्याज दर से 0.25 अतिरिक्त ब्याज दिया जा रहा है।

सपेरे को कोर्ट ने सुनाई 10 साल की सजा

2011 में सांप के खेल में एक युवक को गले में लपेटा था, काटने पर गई जान

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में एक सपेरा को 10 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। व्यवहार न्यायालय के षष्ठ्म-14 विवेक कुमार की अदालत ने सपेरा मो.शमसुल को 10 साल की कैद और 1 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। ये सजा घटना के 13 साल बाद सपेरा को दी गई है। दरअसल, 2011 में पीरपैंती के दुलदुनिया गांव में शमसुल, सांप का खेल दिखा रहा था। तभी एक युवक के गले में सांप लपेट खेल दिखा रहा था। उसी समय सांप ने उस युवक को डंस लिया, जिससे उसकी मौत हो गई थी। उसी मामले में दोषी सपेरे को 10 साल की सजा सुनाई गई है। मो. शमसुल पीरपैंती थानाक्षेत्र के खानपुर गोविंदपुर का रहने वाला है। इस दौरान सरकार की तरफ से मुहम्मद अकबर खां ने बहस में हिस्सा लिया।

ताबीज के रहते कोई सांप तेरा बाल-बांका नहीं कर सकता: अगस्त 2011 में अभियुक्त सपेरा मो. शमसुल अपने कई सांपों को लेकर पीरपैंती के ओलापुर पंचायत के दुलदुलिया गांव सांप का खेल दिखाने पहुंचा था। सांप के खेल से पहले मो. शमसुल ने डमरू और बांसुरी बजाकर काफी भीड़ इकट्ठी कर ली थी। उस भीड़ में से दुलदुलिया गांव के राजेंद्र राम बिंद के बेटे दिवाकर राम बिंद अन्य लड़कों के साथ आगे खड़ा होकर सांप का खेल देख रहा था। इस बीच डमरू बजाते सपेरा मो.शमसुल ने दिवाकर को भीड़ से अपनी तरफ हाथ पकड़ कर खींच लिया। वहीं, सपेरे द्वारा उसे निडर बताते हुए कुछ नहीं होने की बात कहकर पिटारे में से रखे ताबीज के ढेर से एक ताबीज निकाल दिवाकर को दे दिया। बोला ताबीज के रहते कोई सांप तेरा कुछ भी बाल-बांका नहीं कर सकता। इतना बोल कर फिर पिटारे से एक सांप निकाला और दिवाकर के गले में लपेट दिया। सांप ने चंद मिनटों के बाद ही दिवाकर को डस लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सपेरा मो. शमसुल के द्वारा उसे बचाने का प्रयास किया गया था, लेकिन दिवाकर की मौके पर ही मौत हो गई।

गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कराया गया था: घटना को लेकर सपेरा मो. शमसुल के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कराया गया था। उसी केस के दोषी सपेरा मो. शमसुल को कोर्ट ने सजा सुनाई है।

महुआ थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक, हाजीपुर में चौकीदार का बेटा निकला आरोपी

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक इस कदर हावी हो गया है कि चौकीदार का बेटा भी चोरी करने लगा है। दिन में पिता की वर्दी पहनकर कभी कभी महुआ थाना में ड्यूटी भी कर लेता है। रात में मौका मिलने पर हाथ भी साफ कर लेता है। घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। इसमें साइकिल पर सवार होकर महुआ थाना क्षेत्र के कुशहर चौक स्थित मार्केट के पास आरोपी पहुंचता है। इसके बाद साइकिल के पीछे एक पैकेट सरसों लोड करके निकल जाता है। इस तरह से चौकीदार के बेटे ने चार पैकेट सरसों यानी ढाई क्विंटल की चोरी कर ली।

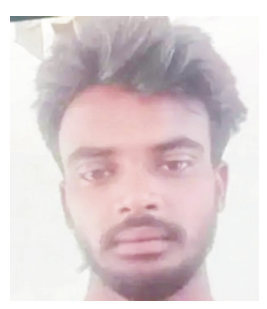

वहीं जब सुबह में गद्दीदार दुकान पहुंचा तो चार बोरा सरसों का पैकेट गायब था। जब दुकान में लगे सीसीटीवी को देखा गया तो महुआ थाना में तैनात चौकीदार राजाराम पासवान का बेटा सुनील कुमार पासवान वीडियो में दिखा। जब दुकानदार ने चौकीदार से बेटे की शिकायत की तो चौकीदार आग बबूला होकर उल्टे ही गलत केस में फंसा देने की धमकी देने लगा। इसके बाद पीड़ित गद्दीदार नवीन कुमार साह ने महुआ थाना में तैनात चौकीदार राजाराम पासवान के बेटे सुनील कुमार पासवान पर नामजद आरोपी बनाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। इधर घटना के बाद पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809
9801344665

मोतिहारी में खुला दुर्गा माता का पट्ट, उमड़े श्रद्धालु

बीएनएम। मोतिहारी

पूरे बिहार में शारदीय नवरात्र की धूम के बीच बुधवार सप्तमी तिथि को विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ ही मां दुर्गा भवानी का पट्ट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिया गया. माता का पट खुलते ही माता के जय जयकारे से पूरा चंपारण गूंज उठा, माता का दर्शन करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी. जिला मुख्यालय मोतिहारी के कचहरी चौक स्थित जगदम्बा आनंद धाम मंदिर, अम्बिका नगर के पराम्बा शक्तिपीठ, चांदमारी के दुर्गा मंदिर, मीना बाजार शाकंभरी दुर्गा मंदिर सहित नगर के सभी दुर्गा मंदिरों और जानपुल चौक पूजा पंडाल, हेनरी बाजार, द्वार देवी स्थान, बलुआ चौक, राजा बाजार, बरियारपुर, बेलही देवी और छतौनी पूजा समिति सहित सभी पूजा पंडालों में माता दुर्गा एवं सभी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना भक्ति भाव के साथ की जा रही है.

ग्रामीण इलाके भी भक्ति भाव से हो रही मां दुर्गा की अराधना- शहरी क्षेत्रों के अलावे जिले के रक्सौल, रामगढ़वा, सुगौली, हरसिद्धि, अरेराज, पहाड़पुर, तुरकौलिया, संग्रामपुर, केसरिया, कोटवा, कल्याणपुर, पिपरा कोठी, चकिया, मेहसी, मधुबन, फेनहारा, पकड़ीदयाल, पताही, चिरैया, ढाका, घोड़ासहन, छौड़ादानों, बनकटवा एवं आदापुर प्रखंड मुख्यालयों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिमा स्थापित कर लोग भक्ति भाव से मां दुर्गा भवानी की अराधना में लीन हैं. दुर्गा पूजा के अवसर पर शहर से लेकर गांव तक भव्य पंडाल बनाए गये हैं. इस अवसर पर मेला भी लगा है.

प्रशासन मुस्तैद, डीएम-एसपी कर रहे मॉनेटरिंग- दुर्गा पूजा को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है. जिले में दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए डीएम सौरभ जोरवाल एवं एसपी स्वर्ण प्रभात लगातार भ्रमणशील है. जिले में पुलिस द्वारा लगातार फ्लैग मार्च निकाला जा रहा है. बुधवार को भारी संख्या में पुलिस बल के साथ जिला पुलिस ने बाइक मार्च निकाला जो शहर के अलावें ग्रामीण क्षेत्रों का भी भ्रमण किया. दुर्गा पूजा को लेकर जिले भर में दंडाधिकारियों के साथ पुलिस बल को तैनात किया गया है.

दुर्गा पूजा पर बेतिया में फ्लैग मार्च

बीएनएम। बेतिया

पश्चिम चंपारण जिले में दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर बेतिया पुलिस ने बुधवार की सुबह फ्लैग मार्च निकाला। इस इलाका में फ्लैग मार्च निकाल कर लोगों से शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में नवरात्रि व दीपावली पर्व को मनाने की अपील की गई। फ्लैग मार्च थाना इलाके के फतेपुर, मच्छरगवा, चमैनिया, हरपुरवा सहित क्षेत्र के विभिन्न गांवों का भ्रमण किया। इस दौरान लोगों से दुर्गापूजा के मौके पर इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने, सरकार के निर्देशों का पालन करने, अफवाहों से बचने, संदिग्धों के बारे में पुलिस को सूचना देने, डीजे नहीं बजाने समेत सरकार के दिशा-निर्देश को मानने की अपील की गयी। पूजा समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिया गया है। पुलिस ने कहा कि दुर्गा पूजा को लेकर असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर पुलिस की पैनी निगाह है। पुलिस सादे लिबास में ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। पूजा के दौरान क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात की जायेगी। इस फ्लैग मार्च में दरोगा मनोज कुमार, राघवेंद्र कुमार, रानी कुमारी, सुनिल कुमार के अलावे महिला एवं पुरुष पुलिस बल शामिल थे।

केविवि और मुजफ्फरपुर प्रौद्योगिकी संस्थान ने अकादमिक और अनुसंधान सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू), मोतिहारी और मुजफ्फरपुर प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी), मुजफ्फरपुर ने सहयोग को बढ़ावा देने और ज्ञान साझा करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी परस्पर लाभ, सर्वोत्तम प्रयास और बार-बार होने वाले संवाद के आधार पर अकादमिक और अनुसंधान विनिमय को सुविधाजनक बनाने का लक्ष्य रखती है। इस एमओयू के अंतर्गत बौद्धिक ज्ञान और संसाधनों का आदान-प्रदान, नवाचार और उद्यमिता से प्रेरित अवसरों और संसाधनों में साझेदारी, वैज्ञानिक और तकनीकी नेटवर्क और बुनियादी ढांचा संसाधनों का साझा उपयोग, सहयोगी परामर्श और अनुसंधान परियोजनाएं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग किया जाएगा। एमओयू पर औपचारिक रूप से एमआईटी मुजफ्फरपुर के प्राचार्य प्रो. मिथिलेश कुमार झा और एमजीसीयू के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर एमजीसीयू के भाषा और मानविकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रसून दत्त सिंह और राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान, अमेठी के पूर्व निदेशक ए.एस.के. सिन्हा भी उपस्थित थे। सहयोग के प्रति अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए एमजीसीयू के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा, "यह एमओयू दोनों संस्थानों के बीच सहयोग और ज्ञान-विनिमय का एक नया अध्याय है, जो अकादमिक उत्कृष्टता और सामाजिक विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे बौद्धिक और बुनियादी ढांचा संसाधनों को एकत्रित कर, हम शिक्षा, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी में प्रगति को प्रेरित करने वाले नवाचारों की खोज कर सकते हैं।" प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव, निदेशक, अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ, एमजीसीयू ने कहा, "एमआईटी मुजफ्फरपुर के साथ यह साझेदारी सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास के नए द्वार खोलती है। हम अपनी ताकतों का उपयोग करके ऐसे प्रभावशाली प्रोजेक्ट्स बनाने का लक्ष्य रखते हैं जो उद्यमिता, नवाचार और क्षेत्रीय शैक्षणिक विकास को प्रोत्साहित करेंगे।" एमआईटी मुजफ्फरपुर, जो देश के सबसे पुराने तकनीकी संस्थानों में से एक है, तकनीकी शिक्षा में दशकों का अनुभव रखता है। एमजीसीयू इस प्रतिष्ठित संस्थान के साथ सहयोग को लेकर उत्साहित है और दोनों विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक वातावरण को समृद्ध करने वाली सार्थक विनिमयों की अपेक्षा करता है। यह कदम दोनों संस्थानों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है, क्योंकि वे बिहार और देश के बड़े वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय परिदृश्य में योगदान देने का प्रयास कर रहे हैं।

सरकार की योजनाओं को सफल बनाने में बैंकर्स आएं आगे : जिलाधिकारी

बीएनएम। मोतिहारी

बुधवार को शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभा भवन में उद्योग विभाग द्वारा संचालित सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रगति की समीक्षात्मक बैठक के साथ-साथ ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता करते जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि सरकार की योजनाओं को सफल बनाने में बैंकर्स बेहिचक आगे आएं और लोगों के साथ सपोर्टिंग व्यवहार अपनाते हुए ऋण स्वीकृति प्रदान करें ताकि रोजगार सृजन का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। उक्त बैठक में उद्योग विभाग की योजनाओं यथा पीएमईजीपी, पीएमएफएमई एवं पीएम विश्वकर्मा योजना की समीक्षा की गई। जिला महाप्रबंधक उद्योग ने बताया कि पीएमईजीपी योजना में इस वित्तीय वर्ष में कुल 603 का लक्ष्य प्राप्त है जिसके विरुद्ध 835 आवेदन विभिन्न बैंको को अग्रसारित किये गये हैं जिसमें विभिन्न बैंको द्वारा 216 आवेदन स्वीकृत करते हुए 39 आवेदको को ऋण वितरित किये गये हैं। पीएमएफएमइ योजना में इस वित्तीय वर्ष में कुल 440 के लक्ष्य के विरूद्ध 709 आवेदन विभिन्न बैंको को अग्रसारित किये गये हैं जिसमें विभिन्न बैंको द्वारा 135 आवेदन स्वीकृती दी गई है एवं 60 आवेदको को वितरित किये गये हैं। पीएम विश्वकर्मा योजना में इस वित्तीय वर्ष में कुल 3676 आवेदन जिलास्तरीय समिति द्वारा अग्रसारित किया गया है। इस ऋण शिविर में पीएमईजीपी में 63 आवेदन विभिन्न बैंको द्वारा स्वीकृत तथा 18 आवेदकों को ऋण वितरित किए गए जिसकी राशि 263.78 लाख रूपये तथा 79 लाख रूपये है। पीएमईजीपी योजना में 24 आवेदन विभिन्न बैंको द्वारा स्वीकृत तथा 03 आवेदकों को ऋण वितरित किए गए जिसकी राशि 91.45 लाख रूपये तथा 12 लाख रूपये है। इसके अतिरिक्त पीएम विश्वकर्मा योजना में 4 आवेदन स्वीकृत किया गया जिसकी राशि 4 लाख रूपये है। इस समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी द्वारा कहा गया कि बैंको लक्ष्य का मासिक रूप से संगणना करते हुए अक्टूबर 2024 तक अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लें। सभी बैंको के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि जिस बैंक शाखा का लक्ष्य प्राप्त नहीं हुआ है, वे सरकार की योजनाओं की उपलब्धियों को प्राथमिकता दें। वित्तीय वर्ष के अंतिम समय में ऋण स्वीकृत करने की प्रवृति से बचना चाहिए ताकि ससमय सब्सिडी का लाभ मिल सके। वहीं जिलाधिकारी के द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना में द्वितीय स्तर पर जांच हेतु प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। इस संबंध निर्देश दिया गया कि प्रखंड विकास पदाधिकारी आवेदकों की जाँच कर प्रतिदिन महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र को जांच प्रतिवेदन दें ताकि उस पर ससमय कार्रवाई की जा सके। उक्त बैठक में एलडीएम गोपाल प्रसाद के द्वारा बताया गया कि जिला में 2765000 खाता खोले गए हैं जिसमें 23 34000 का आधार सीडिंग कर दिया गया है। खाता खोलने और आधार सीडिंग करने की प्रक्रिया अभी भी चल रही है। उक्त मौके पर अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी, जिलाधिकारी के विशेष कार्य पदाधिकारी, महाप्रबंधक उद्योग केंद्र, डीडीएम नाबार्ड आनन्द अतिरेक सहित सभी बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

सरकारी मान्यता नहीं लेने वाले निजी विद्यालयों के प्रमाणपत्र होंगे अमान्य

- ऐसे विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं का सरकारी रिकॉर्ड में नहीं होगा नाम दर्ज
- पूर्वी चंपारण में कुल 1701 विद्यालयों ने मान्यता के लिए किया था आवेदन 259को ही मिली मान्यता

बीएनएम। मोतीहारी। मृत्युंजय पाण्डेय

सूबे में सरकारी विद्यालयों की व्यवस्था चाक चौबंद करने के कवायदों के बीच अब बिहार का शिक्षा विभाग निजी विद्यालयों की नकेल कसने की पुरजोर तैयारियां कर चुका है। शिक्षा विभाग ने 28 सितंबर तक सभी निजी विद्यालयों के बच्चों का आधार ई-शिक्षा कोष पर अपडेट करने का आदेश जारी कर दिया था। लेकिन नतीजा आशाओं के विपरित रहा। वहीं मान्यता नहीं ले पाये निजी विद्यालयों के लिए भी मान्यता के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू किया था। जिसमें पूर्वी चंपारण के निजी विद्यालयों ने मान्यता लेने के लिए आवेदन समर्पित किया था। लेकिन कुल 1701 आवेदनों में से मात्र 259 विद्यालयों के आवेदन ही निर्दिष्ट अर्हताएं पूरी कर पायें। बिहार सरकार द्वारा निजी विद्यालय खोलने के मानकों में कहा गया है कि

स्कूल की मान्यता के लिए एक एकड़ जमीन अनिवार्य होना चाहिए साथ ही नये सरकारी निर्देशों के मुताबिक - अब सिर्फ रजिस्टर्ड सोसायटी को निजी विद्यालय खोलने की अनुमति मिलेगी। वहीं शहरी क्षेत्र में निजी विद्यालय खोलने के लिए न्यूनतम एक एकड़, अनमुंडल क्षेत्र में डेढ़ एकड़ और ग्रामीण क्षेत्रों में दो एकड़ जमीन की उपलब्धता विद्यालय खोलने हेतु सुनिश्चित करनी होगी। इससे कम जमीन होने पर मान्यता नहीं दी जाएगी। सरकार का स्पष्ट आदेश है कि मानक के मुताबिक जमीन की उपलब्धता नहीं होने पर कम एनओसी तो दूर आवेदन को ही खारिज कर दिया जाएगा। सरकार का स्पष्ट रुख है कि निजी विद्यालयों के खोलने के प्रस्ताव पर तभी विचार किया जाएगा, जब निर्धारित अर्हता पूरी होगी। वहीं निजी विद्यालयों के शिक्षकों के लिए अर्हताएं तय कर दी गई हैं। निजी प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ाने के लिए न्यूनतम योग्यता स्नातक के साथ बी टेट, सी टेट उत्तीर्ण करने के साथ अध्यापक शिक्षा परिषद के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा में दो वर्ष का डिप्लोमा तथा एनसीटीई से प्राथमिक शिक्षा में छः माह का ब्रिज कोर्स भी पूरा करने वाले उम्मीदवार ही प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षक बन सकते हैं। जबकि माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लिए जमीन, भवन संरचना, प्रबंधन प्रणाली और शिक्षकों के अध्यापन हेतु अर्हताएं भी इन स्तर के सरकारी विद्यालयों में अध्यापन करा रहे शिक्षकों की तरह ही हैं। निजी विद्यालयों के लिए सरकार के कड़े रुख से वैसे निजी विद्यालय जो गांव से लेकर शहरों तक के गली मुहल्लों के छोटे-छोटे घरों में, दुकानें खोलने के लिए बनाए गए छोटे छोटे व्यवसायिक भवनों में तथा टीन टाट रखकर कुछ कट्ठा जमीन में सरकारी मानकों की धज्जियां उड़ा कर निजी विद्यालयों को चला रहे हैं उनके लिए अब राह कांटों से भरा हो गया है। यहां बताते चलें कि गांव कस्बों और शहरों के गली मुहल्लों में चलने वाले इन तथाकथित निजी विद्यालयों में शिक्षकों की योग्यताएं भी सरकारी मानकों के मुताबिक न होकर विद्यालय के संचालक के मन के मुताबिक होते हैं।कम पैसों पर शिक्षण कार्य करने को राजी दसवीं, ग्यारहवीं, बारहवीं पास युवक, युवती, पुरुष और महिलाएं ही शिक्षक के लिए इनकी प्रथम वरीयता में रहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

145 गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

बीएनएम। मोतिहारी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढवा में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ नितेश ध्वज सिंह के अध्यक्षता में की गई। इस अभियान के अंतर्गत कुल 145 गर्भवती महिलाओं का जांच किया गया। जिसमे 6 महिलाएं अति गंभीर जटिल प्रसव वाली महिलाओं को चिन्हित किया गया। चिकित्सक डॉ तब्बसुम व डॉ पल्लवी ने बताया कि जटिलता वाली महिलाओं का आज से ही आशा कार्यकर्ता व एएनएम के द्वारा लगातार अनुश्रवण करते हुए प्रसव काल तक सुरक्षित प्रसव करने हेतु स्वास्थ्य विभाग कार्य करेगी।वही चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.प्रहस्त ने बताया कि सभी गर्भवती महिलाओं की रूटीन जांच के बाद मुफ्त में दवा का वितरण किया जाएगा। इस दौरान ब्रजेश ओझा, सुशांत कुमार, सहित कई कर्मी मौजूद थे।

जहरीली शराब पीने से 1 की मौत, 1 की हालत नाजुक

बीएनएम। मुजफ्फरपुर : जिले के हथौड़ी थाना क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से होने वाली मौत की संख्या फिर बढ़ गई है। थाना क्षेत्र के खानपुर के वार्ड 5 के निवासी सज्जाद नदाफ की जहरीली शराब पीने से मौत हो गई। आपको बताते चले कि नशीली शराब के कारण वे सड़क पर ही गिर गए जहां उनकी मौत बुधवार दोपहर 3 बजे के करीब हो गई। राह चलते लोगों ने पुलिस व परिजन को इसकी सूचना दी लेकिन घंटों बीत जाने के बाद भी पुलिस के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई । जिसके बाद परिजनों ने मजबूरन शव को उठाकर घर ले गए । मिली जानकारी के मुताबिक 1 और व्यक्ति की स्थिति जहरीली शराब के कारण नाजुक बनी हुई है। वहीं परिजनों ने मुखिया पर आरोप लगाया है कि उनके दबाव में ही पुलिस कोई एक्शन नहीं ले रहे हैं । उन्होंने मुखिया और पुलिस पर शराब माफिया से मिले होने की बात कही है ।

जिले के 248 लाभुकों के बीच अंत्योदय कार्ड का वितरण

बीएनएम। लखीसराय : जिला समाहरणालय परिसर में स्थित मंत्रणा कक्ष में बुधवार को जिलाधिकारी मिथिलेश मिश्रा ने जिले के 248 चयनित लाभुकों के बीच अंत्योदय कार्ड का वितरण किया। इस अवसर पर डीएम ने बताया कि जिले में कुल 1482 लाभुकों के बीच अंत्योदय कार्ड का वितरण किया जाना है। पर्व दुर्गा सप्तमी के कारण कम जरूरतमंद लोग उपस्थित हो पाए हैं, लेकिन लक्ष्यों के अनुरूप शेष लाभुकों को धनतेरस के पूर्व कार्ड उपलब्ध करा दिए जाएंगे, जिसके 45 दिनों के बाद उन्हें इसका लाभ मिल सकेगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी परिवार भूखा न रहे, कुपोषित न रहे और साक्षर बन सके। डीएम ने बताया कि सामाजिक सुरक्षा की योजनाएं मानव समाज के विकास के लिए हैं, और जिला प्रशासन इस योजना को धरातल पर उतारने और लाभ को लोगों तक पहुंचाने के लिए तत्पर है। इस कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त कुंदन कुमार, एसडीएम चंदन कुमार, वरीय उप समाहर्ता शशांक कुमार, विनोद कुमार डीसीएलआर रितु शर्मा सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

पाँच दिवसीय रामचरितमानस अभिनय शुरू

बीएनएम। केसरिया

केसरिया के नयागाँव पानशाला चौक पर हो रहा आयोजन

विविध कला विकास समिति द्वारा नयागाँव पानशाला चौक पर आयोजित पाँच दिवसीय रामचरित मानस अभिनय (रामलीला) की मंगलवार से शुरुआत की गई। उद्घाटन मुख्य अतिथि पराम्बा शक्तिपीठ मोतिहारी के पीठाधीश्वर शक्ति शरणानन्द सरस्वती महाराज उर्फ चंचल बाबा ने दीप प्रज्वलित कर की। इस दौरान पूजा आयोजन समिति के अध्यक्ष उपेंद्र कुमार यादव ने मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र व रामचरित मानस धार्मिक ग्रंथ भेंट कर सम्मानित किया। इसके उपरांत सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। प्रथम संध्या श्रवण संवाद, विष्णुलोक, रामजन्म, रावण-वेदवती संवाद व ताडिका वध का मंचन किया गया। जिसमें कृष्ण कुमार ने श्रवण, आलम महम्मद राजा दशरथ, रंजीत कुमार गुप्ता श्रवण के पिता, निक्की कुमारी श्रवण की माता का किरदार निभाया। इसके अलावा अन्य कलाकारों ने भी विभिन्न भूमिकाओं को जीवंत किया। निर्माता रामाधार प्रसाद व निर्देशक रंजन कुमार के कुशल निर्देशन में 12 अक्टूबर तक प्रति दिन इसका आयोजन होगा। बता दें कि दुर्गा पूजा के अवसर पर नयागाँव पानशाला चौक पर करीब एक दशक से रामलीला का आयोजन होता आ रहा है। कोरोना काल से इसका आयोजन नहीं हो रहा था। लेकिन स्थिति सामान्य होने के बाद इस वर्ष इसका आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन के अवसर पर राजद राज्य परिषद सदस्य अवधेश यादव, मुखिया अशोक कुमार गुप्ता, पूर्व मुखिया हरेंद्र साह, सरपंच विनोद गुप्ता, हरिकिशोर प्रसाद, शम्भू प्रसाद यादव, पूर्व मुखिया वीरेंद्र प्रसाद यादव, प्रशांत यादव, चंदन कुमार, बबलू कुमार, शम्भूलाल साह, अशोक यादव सहित भारी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

सदस्यता अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम। केसरिया

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के सदस्यता अभियान के तहत बुधवार को प्रखण्ड क्षेत्र के रामपुर बैरिया स्थित पार्टी नेता इम्तेयाज अहमद के आवास पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तुफैल खान कादरी व पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रकाश अस्थाना की मौजूदगी में करीब डेढ़ सौ लोगों ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा अल्पसंख्यक के साथ साथ सभी समुदाय के हित के लिए कार्य करती है। इसी का परिणाम है कि भाजपा आज सबसे बडी पार्टी बन गई है। यह सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं की मेहनत का नतीजा है। उन्होंने कहा कि पार्टी के नीति व सिद्धांत से प्रभावित होकर अल्पसंख्यक समुदाय के लोग बडी संख्या में पार्टी से जुड़ रहे हैं। कार्यक्रम को पार्टी नेता मोहिबुल हक, अरविंद नाथ गिरी, आनंद सिंह सहित अन्य ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष इम्तेयाज अहमद व संचालन कौसर अंसारी ने की। मौके पर अमजद खान, राजू खान, शौकत अली, फारुख आलम, मो रफी, शाकिब जमानी, गुड्डी देवी, अमजद खान सहित अन्य मौजूद थे।

विधि व्यवस्था को लेकर किया फ्लैग मार्च

बीएनएम। केसरिया

दुर्गापूजा आयोजन के दौरान विधि-व्यवस्था को लेकर बुधवार को प्रशासनिक पदाधिकारियों की मौजूदगी में पुलिस प्रशासन ने नगर क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया। अंचल पुलिस निरीक्षक मुनीर आलम व प्रखण्ड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह के नेतृत्व में फ्लैग मार्च किया गया। थानाध्यक्ष उदय कुमार व अन्य पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च थाना परिसर से निकल कर ब्लॉक, बाजार व विभिन्न पूजा पंडाल होते हुए पुनः वापस थाना परिसर पहुँची। थानाध्यक्ष ने बताया कि पूरे थाना क्षेत्र में लोग दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मना रहे हैं। हर सम्भव सहायता के लिए पुलिस मुस्तैद है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर पुलिस की हर पल नजर है।आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। फ्लैग मार्च में एसआई रामशरण पासवान, एसआई अनिता कुमारी, एसआई अंजू कुमारी, एसआई ओम पाल, राजीव रंजन, बादशाह चौहान, प्रफुल्ल कुमार, अरूण यादव, शम्भू यादव समेत कई पुलिस पदाधिकारी थे।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

हरियाणा में जीतते-जीतते आखिर क्यों हार गई कांग्रेस!

एडवोकेट डॉ. श्रीगोपाल नारसन

हरियाणा के विधानसभा चुनाव परिणाम और रुझानों ने एक बार फिर एग्जिट पोल को झूठा साबित कर दिया । यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। हरियाणा को लेकर जारी एग्जिट पोल पर खुशी मनाते कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए मतगणना का दिन अच्छा नहीं रहा। जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणाम भी कांग्रेस के लिए बहुत ज्यादा खुशी लेकर नहीं आए। नेशनल कॉन्फ्रेंस बहुमत के साथ सत्ता पर काबिज हो रही है। उमर अब्दुल्ला का मुख्यमंत्री बनना तय माना जा रहा है। भाजपा जम्मू-कश्मीर में मजबूत विपक्ष के रूप में उभरी है। कांग्रेस जम्मू-कश्मीर के चुनाव में जम्मू क्षेत्र में यदि अच्छा प्रदर्शन करती तो शायद यह पार्टी और उसके भविष्य के साथ-साथ गठबंधन की सरकार को मजबूती प्रदान करता ,लेकिन परिणाम उसके उलट ही रहे। हार के कारणों को गिने तो 10 साल से सत्ता से बाहर रही कांग्रेस के कार्यकर्ता कुछ शिथिल पड़ गए हैं। पार्टी चुनाव के लिए देर से कमर कसती है। 10 साल में राज्य में कांग्रेस, भाजपा सरकार की कमी और लोगों के मुद्दों को जोरदार ढंग से उठा नही पाई। लोकसभा चुनाव में हालांकि कांग्रेस ने बेहतर परिणाम दिए थे और हरियाणा की 10 में से पांच सीटों पर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस के भीतर गुटबाजी ने कार्यकर्ताओं तक को एक-दूसरे से दूर रखा । इस गुटबाजी को साफ तौर पर देखा भी गया है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला के समर्थकों में एक राय न होना भी हार की एक वजह है। साथ ही इस पराजय की बड़ी वजह इन तीनों ही नेताओं के कार्यकर्ताओं को अपने-अपने नेताओं को सीएम पद की दौड़ में सबसे आगे देखने की होड़ भी है। सब कह रहे हैं कि यही कांग्रेस की लुटिया डूबने की वजह है। रणदीप सुरजेवाला की ओर से भले ही कोई बयान न आया हो, लेकिन हरियाणा कांग्रेस की राजनीति में वह भी एक धुरी बन गए थे। हुड्डा और सैलजा के बीच की कड़वाहट सार्वजनिक मंचों पर देखने को मिली।दोनों ही नेताओं की सीएम बनने की इच्छा उनके ही बयानों से सामने आ रही थी। हालांकि दोनों ही नेता पार्टी आलाकमान पर नेता चुनने की बात कह रहे थे लेकिन अपनी बात भी स्पष्ट रख रहे थे। कांग्रेस का सीएम पद का ऐलान न करना भी नुकसानदेह रहा। यदि पार्टी पहले से ही सीएम पद का ऐलान कर देती तो संभवतः यह गुटबाजी देखने को नहीं मिलती। कार्यकर्ताओं में जोश बराबर रहता और सभी एक नेता के नाम के साथ जनता के बीच जा सकते थे। जनता के मन में भी किसी प्रकार का कोई संशय नहीं होता। लेकिन कांग्रेस आलाकमान अपने नेताओं की अंतर्कलह को अंत तक सुलझाने में कामयाब नहीं हो पाए। हालात कितने खराब थे इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता एग्जिट पोल के बाद से ही अपनी-अपनी दावेदारी

प्रस्तुत करने में लगे रहे, यहां तक की मतगणना के दिन भी मीडिया को दिए बयानों में कांग्रेस के सीएम पद के दावेदार अपनी कुर्सी पक्की मानकर चल रहे थे। हुड्डा तो दिल्ली का दौरा भी कर गए। दलित समाज के वोटों का सरकना भी कांग्रेस की हार का एक कारण रहा। लोकसभा चुनाव में जाट और दलित वोटों ने कांग्रेस का बेड़ा पार किया था, लेकिन अब कहा जा रहा है कि पिछले कुछ महीनों में दलित वोट एक बार फिर छिटक कर भाजपा के पाले में चला गया। राज्य में जाटों का वोट प्रतिशत करीब 22 प्रतिशत है, जबकि 20 प्रतिशत दलित वोट है। दलितों का वोट पार्टी से जाना कांग्रेस के लिए एक सदमा दे गया। राज्य में ओबीसी वोट और दलित वोट इस बार फिर भाजपा के पक्ष में गया। वैसे भी कांग्रेस का पूरा जोर जाट वोटों पर था, जिसका खामियाजा पार्टी अब हार के रूप में भुगत रही है। राज्य में इंडी अलायंस न बन पाने के कारण इसके दो घटक कांग्रेस से नाराज हो गए। राज्य में आम आदमी पार्टी, कांग्रेस से 90 सीटों में से 10 सीटों की मांग कर रही थी जबकि समाजवादी पार्टी भी राज्य में दो सीट चाह रही थी। अंतिम समय तक इन दलों में सहमति नहीं बन पाई। आम आदमी पार्टी ने नाराजगी में अपने 29 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी ,हालांकि उसे भी शून्य पर सिमटना पड़ा है। हालांकि आम आदमी पार्टी केवल चार सीटों पर कुछ असर डाल रही थी, लेकिन कांग्रेस का कहना है कि आम आदमी पार्टी कांग्रेस की अच्छे परफॉर्मेंस वाली सीटों की मांग कर रही थी। ऐसे में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और रणदीप सुरजेवाला ने गठबंधन के विरोध में अपनी राय व्यक्त की। पार्टी की ओर इस कार्य के लिए तैनात किए गए अजय माकन ने दोनों की बात को स्वीकारा और अंततः गठबंधन नहीं हो पाया। इस कारण आम आदमी पार्टी का दो प्रतिशत वोट कांग्रेस के हाथ से फिसल गया। कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर के बाद राज्य स्तर पर आंतरिक गुटबाजी को खत्म करना चाहिए था। मगर ऐसा हो न सका। यह साफ देखा जा सकता है कि भीतरी कलह पार्टी को नुकसान पहुंचाती है और भविष्य में इस प्रकार के नुकसान से बचने के लिए पार्टी को कदम उठाने पड़ेंगे। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओ को हर अहम मुद्दे पर लोगों के बीच जाना होगा और सरकार पर दबाव बना होगा ताकि पार्टी का रुख लोगों के सामने साफ हो सके। कांग्रेस अपने वोटों को बिखरने से बचाने के लिए कदम उठाए और नए वोटों को जोड़ने के लिए कदम उठाए। कांग्रेस की सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाने की क्षमता में बाधा डालने वाला एक और कारक उसकी अप्रभावी अभियान रणनीति रही। पार्टी का चुनाव अभियान काफी हद तक प्रतिक्रियात्मक था, जिसमें हरियाणा के लिए एक सम्मोहक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के बजाय राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के प्रदर्शन की आलोचना करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। जबकि बेरोजगारी, किसान संकट और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दे उठाए गए, कांग्रेस इन चिंताओं पर मतदाताओं से पर्याप्त रूप से जुड़ने या ठोस समाधान पेश करने में विफल रही । सत्ता विरोधी लहर का सामना करने के बावजूद, भाजपा स्थानीय वास्तविकताओं के अनुसार अपनी रणनीति को ढालकर कुछ हद तक नुकसान को कम करने में कामयाब रही। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, हालांकि किसान विरोध और कानून व्यवस्था के मुद्दों से निपटने के लिए आलोचना के शिकार हुए, लेकिन साथ ही वे एक गैर-भ्रष्ट, सुलभ नेता की छवि बनाए रखने में कामयाब रहे। गैर-जाट समुदायों से उनकी अपील ने भाजपा को वोटों का एक बड़ा हिस्सा बनाए रखने में मदद की। इसके अलावा, भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और राष्ट्रवादी अपील का प्रभावी ढंग से लाभ उठाया। एक मजबूत नेता के रूप में मोदी की छवि, राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास के भाजपा के आख्यान के साथ मिलकर, शहरी और अर्ध-शहरी मतदाताओं के बीच गूंजती रही, जो स्थानीय मुद्दों से कम और राष्ट्रीय चिंताओं से अधिक प्रभावित थे। दूसरी ओर, कांग्रेस, मोदी की अपील का मुकाबला करने के लिए एक समान एकीकृत आख्यान पेश करने में असमर्थ रही। जिन कांग्रेस नेताओं को फील्ड में भेजा गया, उनमें ज्यादातर सिफारिशी थे और प्रभावहीन भी, जो कांग्रेस को हार की तरफ खींच ले गए।

EVM ने फिर धोखा दे दिया कांग्रेसियों को ?!

पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'

EVM ने फिर धोखा दे दिया कांग्रेसियों को। अपनी पैदाईश से वह कांग्रेसियों की दुश्मन रही है। मज़ाल है कि कभी उसने कांग्रेसियों का साथ दिया हो! अगर कभी कांग्रेस जीती भी तो राहुल की बदौलत, दूसरा कौन है यहाँ भारत में ? अब राहुल कोई आम या सेब के छतनार तो है नहीं कि मौसम में भर भर के फल देंगें। वो तो ताड़ हैं; पंथी को छाया नहीं फल लागे अति दूर . ....सुना ही होगा। खैर, मौसम-बेमौसम दो-चार फल ही दे, पर है तो फलदार पेड़ ही न। हालाँकि कहा जाता है कि बस ताड़ी के मोह में किसान इसे आसपास रखता है वरना कब का उखाड़ फेंकता और उस स्थान पर कोई टैलेंटेड पेड़ लगा लेता। पर अगर राहुल मौसम बेमौसम दो-चार फल ही दे, तो वह ताड़ का पेड़ है, फलदार तो है, भले ही वह पार्टी के लिए पर्याप्त है न हो। क्या मात्र इसके लिए कांग्रेस अब राहुल पर भरोसा नहीं कर सकती है? कौन कहता है किसकी हिम्मत की कहे कांग्रेस को नए नेताओं और नीतियों की तलाश करनी होगी? देखिएगा, समय ही बताएगा कि पार्टी अपनी इस बड़ी चुनौती का सामना कैसे करती है। हरियाणा और जम्मू कश्मीर के चुनावों के नतीजों ने फिर सिद्ध कर दिया है कि ताड़ के पेड़ पर गिनती के ही फल लगते हैं लग सकते हैं। भाई ये बहुत गलत बात है कि हम तो यहाँ पैदल चल-चल के अपने मतलब का पूरा देश नाप लिए और साथी लोग ऐसे मतलबी कि भर-भर के सारा एंटी-मोदी वोट लूट ले गए। कोई बड़ी कांग्रेसी इन्हें डांटती क्यों नहीं ? कहती क्यों नहीं कि "मेरा बाबू मेरा पप्पू अभी भी लल्ला है। तुमलोग उसे खिलाने ले जाते तो हो बार-बार भले पर उसका ख्याल भी रखा करो। मैं बार बार कहती हूँ कि मेरे लल्ला में राजनितिक समझ नहीं है, उसके साथ राजनीतिज्ञों जैसा व्यवहार नहीं किया करो, उसके साथ राजनीति नहीं किया करो। ....." हालाँकि सच्चाई ये है कि कांग्रेस आजकल अभिशापित हो गई है। फिल्मों में हमने बहुत देखा है कि कैसे पूर्वजों ने कोई बहुत बड़ा पाप कर दिया होता है या बहुत सारे पाप कर दिए होते हैं और उसका भुगतान भावी पीढ़ियों को आजीवन करना पड़ जाता है; संभवतः यहाँ भी ऐसे ही भूत जागृत हो गए हों। राहुल या उसके जैसों पर दोषारोपण करना ठीक नहीं। दरहक़ीक़त, राहुल भोला है। राहुल सीधा-साधा है। उसे कुछ समझ नहीं आता। उसे जो बोलने को बोला जाता है बस वही बोलता है। आपने कई बार देखा होगा वह बिलकुल नासमझ की तरह बोल जाता है। दरअसल वह बालस्वभाव में भूल जाता है कि उसे क्या बोलने को बोला गया था। और आपने यह भी गौर किया होगा कि उसे जहाँ जाने को कहा जाता है; जिस रास्ते कहा जाता है बस उसी रास्ते जाता है। वह हमेश बायां रास्ता पकड़ कर चलता है। कोई कितना ही उकसाये मज़ाक उड़ाए वह अपना वामपंथ नहीं छोड़ता। ऐसे निरीह नासमझ और नाफिकरे पर दोषारोपण करना शर्मनाक कहा जाना चाहिए। जनता अपनी समझ देखे, दूसरी और राहुल की समझ देखे। कोई तुलना है ? फिर क्यों आप राहुल पर अपना वक़्त बर्बाद कर रहे हैं ? उसे अपने हिसाब से पलने बढ़ने दीजिये पनपने दीजिये। हर आदमी आपकी कल्पना

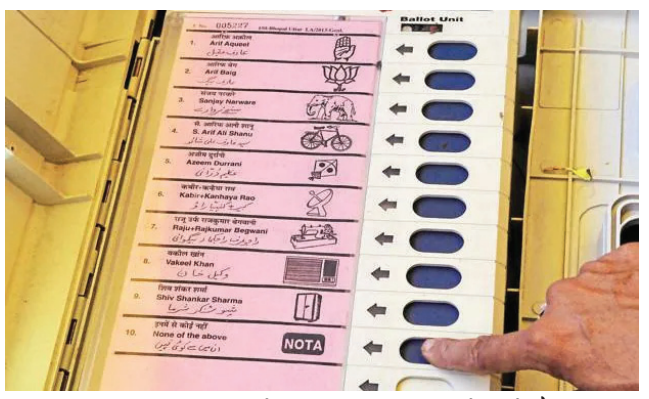

पर नहीं उतर सकता। डार्विन ने भी कहा था कि हर सात पीढ़ियों के सेट में एक बहुत इन्टेलिजेंटली निखरता है और कुछ सीड्स स्पॉइल हो जाते हैं। कौन क्या बना यह तय करने वाले भला आप कौन ? जनता के बीच कोई गया है अगर तो जनता को ही तय करने दीजिये न ! हाँ आपके इस अफ़सोस में शामिल जरूर होऊंगा कि हँसता बस्ता घर खानदान कैसे बर्बाद हो रहा है या हो गया है। समय की मार है महोदय यह और कुछ नहीं। कहते है कि पिछले जनम का किया धरा इस जनम में भुगतना होता है। पर इस खानदान ने तो इस जनम में भी बड़े बड़े पाप किये हुए हैं, समय तो क्या जनता भी इसे नहीं बख्शना चाहती। खैर, बीती सारी बिसार दे, आगे की सुध ले. ... ! EVM पर कोई भरोसा रखे न रखे अपनी मिहनत पर तो भरोसा रख ही सकता है जैसे दूसरे रखते हैं ! एक ऐसा कोई हो जो दिमाग से पैदल होकर न चले बल्कि अपने हर कदम पर भरोसा कर सके ऐसे चले; जैसा कोई मिल जाये तो नैया पार उतर जाए कांग्रेस की। सीरियसली ! हाँ अब इसका मतलब ये भी नहीं कि राहुल न सही रेहान सही। क्या इन्होने तुम्हारी कोई लाल-फाइल बना रखी है ? इतना डरते क्यों हो ? ! और अभी तो यह भी मज़ेदार घट सकता है कुछ ही सप्ताह में, कि अपनी बचकानी ज़िद्द में अपने जद से बाहर निकल कर मात्र 6 रन बनाने वाले कैप्टन राहुल कही जम्मू कश्मीर में अब्दुल्ला साहेब की ताजपोशी में हंगामा न कर बैठें ! यही नहीं अभी तो झारखण्ड के सोरेन साहेब को भी चौकन्ना रहना होगा कि कही EVM से ख़ौफ़ज़दा यह शख्श झारखण्ड में बना बनाया खेल न बिगाड़ दे ! सोरेन साहेब को याद तो होगा कि इसी कंग्रेस ने धोखा देते हुए कभी इनके पिताजी को तख़्त-विहीन कर दिया था। क्या वो खुद को समझा सकते हैं कि तब से अब में क्या बदला है ? चलिए सोरेन बाबू समझदार है खुदमुख्तार हैं अपने निर्णय लेने की क्षमता रखते हैं वो झारखण्ड को अपने बूते संभाल सकते हैं। बाकि, लल्ला का का कीजै ? ! कब चिल्लाने लगे कब बाल नोचने, कब आँख मार दे कब जबरन गले लगा ले और कब किसको मार बैठे। इसी से पीड़ित इससे कभी कोई शिकायत करने जाए तो लल्ला कुटिल मुस्कान बिखेर देता है बस। देश की नाक पर बैठी मक्खी को मारने के नाम पर यह कब देश पर तलवार चला दे तो भला इसे क्या कहा जा सकता है? पर चलिए अब स्वतः संज्ञान लेने का वक़्त आ गया है , कब तक मेरे साथ जिलेबी की तरह इधर-उधर घूमते रहिएगा। जिन्होंने मनो-टनो जिलेबिया बना राखी थीं वो सारी कि सारी जिलेबियाँ तो भाजपाई खा गए। और फिर मैं निराधार घुमा भी नहीं सकता। मुझे क्या राहुल समझ रखा है ?

लोग किसके वंश को अपना नेतृत्व सौंपेंगे

कांग्रेस पर वंशवाद का आरोप इस हद तक चढ़ा कि पार्टी की जड़ें कमजोर करने में उसकी प्रमुख भूमिका रही। लेकिन तब जो दल और नेता कांग्रेस को निशाना बनाते थे, मौका मिलते ही वे सियासत में अपना वंश बढ़ाने में जुट गए। वैसे चर्चा पहले से थी, लेकिन अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने अपने बेटे उदयनिधि मारन को अपना औपचारिक उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है। ठीक उसी तरह जैसे उनके पिता एम। करुणानिधि ने स्टालिन को अपना उत्तराधिकारी बनाया था। करुणानिधि ने अपनी दूसरी संतानों को भी राजनीति में यथासंभव स्थापित करने में अपनी पूरी ऊर्जा लगाई। उदयनिधि को उप-मुख्यमंत्री बना दिया है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि इसे एक स्वाभाविक घटना के रूप में लिया गया है। यहां तक कि अखिलेश यादव सहित कुछ नेताओं ने उदयनिधि को बधाई भी दी है। अखिलेश खुद अपने पिता का उत्तराधिकार संभाल रहे हैं। यह भारतीय लोकतंत्र की अजीबोगरीब कहानी है। आज देश का नक्शा लेकर राज्य दर राज्य नज़र डालिए, तो ऐसे उत्तराधिकारी हर जगह नजर आएंगे! ऐसी घटनाएं इतनी आम हो गई हैं कि अब वैसा गुस्सा नजर नहीं आता, जिसकी कभी कांग्रेस को भारी कीमत चुकानी पड़ी थी। जब इंदिरा गांधी ने 1970 के दशक में संजय गांधी को अपने उत्तराधिकारी के रूप में आगे बढ़ाना शुरू किया, तो समाज में उसको लेकर एक तरह की वितृष्णा देखी गई। एक विमान हादसे में संजय गांधी की मौत के बाद जब तत्कालीन प्रधानमंत्री अपने बड़े बेटे राजीव गांधी को उनकी पायलट की नौकरी छुड़वा कर राजनीति में खींच लाईं, तो यह वितृष्णा और बढ़ी। जब इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी को प्रधानमंत्री बनाया गया, तो अनेक लोगों ने कहा था कि यह घटना भारतीय नागरिकों को 'प्रजा बना देना है। कांग्रेस पर वंशवाद का आरोप इस हद तक चढ़ा कि पार्टी की जड़ें कमजोर करने में उसकी प्रमुख भूमिका रही। लेकिन तब जो दल और नेता कांग्रेस को निशाना बनाते थे, मौका मिलते ही वे सियासत में अपना वंश बढ़ाने में जुट गए। भाजपा और कम्युनिस्ट पार्टियां ही शायद ऐसे दल बचे हैं, जहां सर्वोच्च स्तर पर वंश के आधार नेतृत्व तय नहीं हुआ है। हालांकि निचले स्तर पर वहां भी ऐसी मिसालें कम नहीं हैं। इस तरह चुनावी लोकतंत्र में सामंतवाद की वापसी हो गई है। अब चुनावों में सवाल सिर्फ यह रह गया है कि लोग किसके वंश को अपना नेतृत्व सौंपेंगे!

हर नाकामी आपको कामयाबी की अहमियत बताती है

वाशु भगनानी और जैकी भगनानी पर अनेक लोग उन भुगतान नहीं करने के आरोप लगा रहे हैं। 'बड़े मियां छोटे मियां को इस साल की सबसे बड़ी फ्लॉप माना गया है। यह इन्हीं पिता-पुत्र की फिल्म थी जो हिंदी की सबसे महंगी फिल्मों में गिनी जाती है। इसे बनाने पर 350 करोड़ रुपए खर्च हुए, मगर बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ तक पहुंचने में इसका दम फूल गया। उसके बाद से ही भगनानी परिवार पर आरोपों का सिलसिला शुरू हो गया। निचले स्तर के वर्करों से लेकर इस फिल्म के निर्देशक अली अब्बास ज़फ़र तक ने कहा कि उनके पैसे नहीं चुकाए गए हैं।

परदे से उलझती ज़िंदगी– दिनेश विजन की 'स्त्री-2 अंधाधुंध नहीं चली होती तो हिंदी फिल्मों के डिस्ट्रीब्यूटरों और मल्टीप्लेक्स वालों में मुर्दनी सी छायी हुई थी। छिटपुट सफलताओं को छोड़ दें तो कई महीने से ज़्यादातर फिल्में फ्लॉप हो रही थीं और हताशा बढ़ा रही थीं। अब स्थिति कुछ बदली है, मगर अभी भी, यानी 'स्त्री-2 की अप्रत्याशित कामयाबी के बावजूद 2024 का साल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के मामले में पिछले साल से बहुत पीछे है। अगले तीन महीनों में कई बड़ी फिल्में रिलीज़ होने को हैं जिनसे इसकी भरपायी की उम्मीद की जा रही है, लेकिन कौन जानता है कि वे आंकड़ों को सुधारेंगी या और बिगाड़ देंगी। किसी उद्योग के वास्तविक हालात कभी भी उसके शीर्ष या ऊपरी परत के चेहरों की चमक से नहीं आंके जा सकते। असलियत तो उसके निचले पायदानों पर खड़े लोगों से ही पता चल सकती है। हर उद्योग में ये चेहरे पीछे छिपे होते हैं। किसी फिल्म के पिट जाने पर भी आप उसके हीरो, हीरोइन, निर्माता, निर्देशक आदि को हंसते-मुस्कुराते फिल्म की नाकामी या अपनी अगली फिल्म के बारे में मीडिया से बात करते देखते हैं। मगर ज़रूरी नहीं कि उसी फिल्म के निर्माण में शामिल रहे निचले स्तर के लोगों के लिए इस तरह मुस्कुराना इतना आसान हो। कई प्रोडक्शन हाउस हैं जो दिहाड़ी वाले वर्करों या छोटे-छोटे अनुबंध वाले लोगों का पैसा, 'बस दो-चार दिन में देते हैं कह कर वैसे भी टालते रहते हैं। और अगर फिल्म रिलीज़ होने तक उन्हें पैसा नहीं मिला और फिल्म फ्लॉप हो गई तब तो उनका भुगतान महीनों तक खिसक सकता है। कमाल यह है कि उनका मेहनताना सबसे कम होता है, मगर सबसे ज़्यादा ख़तरा उसी पर मंडराता है। कहने को इंडस्ट्री में इन लोगों की भी तरह-तरह की एसोसिएशनें हैं जो उनके लिए लडऩे का दावा करती हैं। लेकिन अगर आप ढूंढऩे निकलें तो एक-एक करके सैंकड़ों ऐसे लोग मिल जाएंगे जिनका पैसा महीनों या सालों से लटका है या फिर जिसकी आस भी उन्होंने छोड़ दी है। मुंबई में लगभग साढ़े पांच लाख लोग फिल्म उद्योग से जुड़े बताए जाते हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या इन्हीं वर्गों के लोगों की है। हमारे कई गंभीर फिल्म पत्रकार, जिनकी संख्या बहुत कम बची है, अक्सर शिकायत करते हैं कि इंडस्ट्री में कुछ ऐसे लोग हैं जिनकी प्रतिबद्धता फिल्मकारिता के प्रति नहीं है। वे अक्सर घटिया किस्म की फिल्में बनाते रहते हैं जो अधिकतर पिटती रहती हैं। फिर भी उनका फिल्म बनाना रुकता नहीं। कई बार तो संदेह होता है कि उनके पास इतना पैसा कहां से चला आ रहा है या फिल्में पिटने के बावजूद वे इतना पैसा क्यों खर्च किए जा रहे हैं। इनमें से कुछ लोगों के संबंध विदेशों से भी रहते हैं। वैसे यह कोई नई या आज की बात नहीं है। बिल्डर और ब्रोकर किस्म के लोग तो आज़ादी के पहले से फिल्म निर्माण में कूदने लगे थे और उसके बाद भी लगातार रहे हैं। हमारे यहां बनने वाली फिल्मों की गिनती और उनमें घटिया फिल्मों का प्रतिशत बढ़ाने में सबसे बड़ा हाथ इन्हीं लोगों का रहा है। अगर ऐसे लोग फिल्में नहीं बनाते या उनकी बनाई फिल्मों को इंडस्ट्री के इतिहास से हटा दिया जाए, तब भी हमारी फिल्मों के विकास-क्रम, उसके उल्लेखनीय पड़ावों और फिल्मकारी के बार-बार बदलते मुहावरों की गाथा पर कोई असर नहीं पड़ता। मगर कोई निर्माता किसी भी पृष्ठभूमि से हो, आखिर वह कितना नुक्सान बर्दाश्त कर सकता है। एक के बाद एक फिल्में फ्लॉप होती ही चली जाएं तो एक समय ऐसा आता है जब वह सबका भुगतान कर पाने की हालत में नहीं रहता। क्या वाशु भगनानी और जैकी भगनानी उसी दशा में पहुंच चुके हैं?

शब्द सामर्थ्य - 203

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

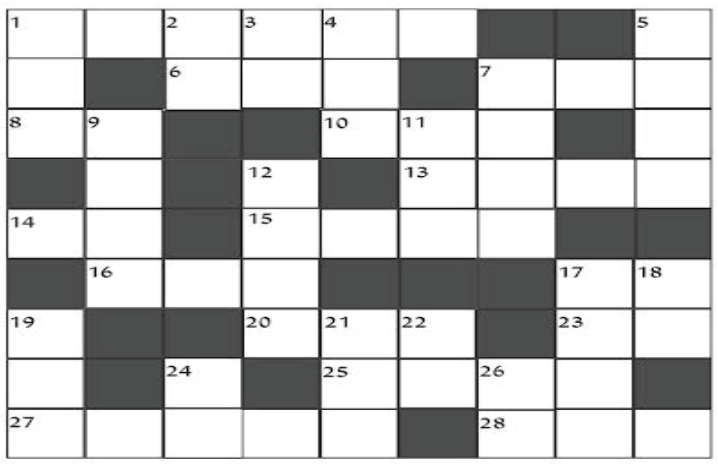

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 202 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

आज का राशिफल

मेष राशिःआज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यापार को आगे बढ़ाने में जीवनसाथी की मदद मिलेगी। किसी नए प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए आज आप खुद को तैयार रखेंगे। प्रोफेसर्स के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा। माता का आशीर्वाद लें, तरक्की के नये रास्ते मिलेंगे।

वृष राशिः छात्रों के लिए आज का दिन करियर में नया बदलाव लायेगा। अगर आप किसी नये बिजनेस की शुरुआत कर रहे हैं, तो घर के बुजुर्गों की राय जरूर लें। आज हर कोई आपकी बातों को ध्यान से सुनेगा। जीवनसाथी को आज कोई जरूरत की वस्तु उपहार देंगे। माँ कात्यायनी का ध्यान करें, कष्टों से मुक्ति मिलेगी।

मिथुन राशिः आज आपका दिन बेहतर रहने वाला है। किसी विशेष कार्य में दोस्तों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति होने के योग बन रहे हैं। स्टूडेंट्स को कोई नया प्रोजेक्ट मिलेगा। आपको आज धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आज अपनी सेहत का खास ख्याल रखे। दुर्गा माँ को गुड़ से बनी चीजों का भोग लगाए रुके हुए कार्यों में सफलता मिलेगी।

कर्क राशिः आज आपका दिन खास रहने वाला है। संतान आपकी बातों से प्रभावित होंगे। किसी उच्च अधिकारी से आपका पहचान होने के कारण सरकारी कार्यों में फायदा होगा। घर के कार्यो को लेकर महिलाओं की जिम्मेदारियां बढ़ेगी। आज आप सोच-विचार में रहेंगे। माता को लाल चुनरी चढ़ाएं, विवाह में आ रही समस्याएं दूर होंगी।

सिंह राशिः आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज आप किसी अनुभवी की राय लेकर कार्य करेंगे तो सफलता मिलेगी। इलेक्ट्रानिक कार्यों से जुड़े लोगों को आज अधिक धन लाभ होगा। कारोबारियो को आज बड़ा मुनाफा होने के योग बन रहे हैं। माता को लौंग अर्पित करें, पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे।

कन्या राशिः आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। अगर आपका कार्य शिक्षण संस्थान से जुड़ा है, तो आज लाभ होगा। व्यावसायिक प्रगति के लिए दिन अनुकूल है। फोन पर आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से बात होगी, जिससे भविष्य में आपको फायदा जरूर होगा। जरूरतमंद की सहायता करें, समाज में मान सम्मान बढ़ेगा।

तुला राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। किसी भी काम में जल्दबाजी करने की बजाय धैर्य से काम लेना चाहिए। किसी भी तरह की यात्रा करने से आज आपको बचना चाहिए, बहुत जरुरी हो तभी यात्रा पर जायें। आज ऑफिस के किसी काम में गलतियों को नजर अंदाज ना करे। मां दुर्गा को मिश्री का भोग लगाएं, घर में शांति का माहौल रहेगा।
शुभ रंग-लाल
शुभ अंक- 6

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। कॉन्ट्रैक्ट का कार्य कर रहे लोगों को आज नया कॉन्ट्रैक्ट मिलेगा। ऑफिस के लोग आपके कार्यो की खूब तारीफ करेंगें। इस राशि के फैशन डिजाईनिंग के छात्रों को कुछ नया सीखने को मिलेगा। मां दुर्गा को खोये का भोग लगायें, जीवन में खुशियां बनी रहेंगी।
शुभ रंग- गुलाबी
शुभ अंक- 8

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपकी बात किसी खास रिश्तेदार से होगी, उनके साथ कोई व्यापार शुरू करने की बात रखेंगे। आज अपने खर्चों को नियंत्रित करने के लिए नयी योजना बनायेंगे। आज अपना कार्य अच्छी तरह से पूरा करने पर वाहवाही मिलेगी। बंदर को केला खिलाएं, मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।
शुभ रंग- पिच
शुभ अंक- 7

मकर राशिःआज पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी। करियर को लेकर आज आप कुछ अच्छे फैसले लेंगे। आज आप अपने कार्यों को समय से पूरा करने में सफल होंगे। किसी प्रॉपर्टी में निवेश करने से पहले घर में विचार विमर्श जरूर करें। मेडिकल की पढाई कर रहे छात्रों को आज किसी बड़े डॉक्टर का सहयोग मिलेगा। हल्दी का तिलक लगायें, पूरे दिन प्रसन्न रहेंगे।
शुभ रंग- मैरून

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज उच्च अधिकारियों से परिचय आपके काम आयेगा। करियर में तरक्की के योग बन रहे है। शाम को परिवार के साथ अच्छा समय बितायेंगें। पहले से लिए गए फैसले आपको बेहतर फल देंगे। महिलाए आज शॉपिंग करने में थोडा बिजी हो सकती है। माता के सामने दीपक जलायें, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मीन राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। कार्यक्षेत्र में नये विचारों पर अमल करने के लिए दिन अच्छा है। आज जिस कार्यो को करने की सोचेंगें, उसमें कामयाबी मिलेगी। घरेलू कार्यों को पूरा करने में परिवार वालों का सहयोग मिलेगा। आज आपको खुद को साबित करने के कई मौके मिलेंगे। मां दुर्गा को इलायची अर्पित करें, कारोबार में बरकत होगी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

युवराज ने की अभिषेक की खिंचाई, दिमाग का सही इस्तेमाल करें

ग्वालियर। युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मैच में अच्छी शुरुआत के बाद भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये। अभिषेक 7 गेंदों पर 16 रन बनाकर रन आउट हो गए। इससे वह बेहद निराश नजर आये। अभिषेक ने सोशल मीडिया में पोस्ट साझा कर लिखा, हर रन, हर गेंद-यह सब टीम के लिए है। इसी को लेकर पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भी उनकी खिंचाई की है। युवराज ने लिखा कि हमें दिमाग का सही इस्तेमाल करना चाहिये। गौरतलब है कि कुछ समय पहले ही अभिषेक ने अपना पहला टी20 शतक लगाया था। बीसीसीआई द्वारा जारी एक वीडियो में अभिषेक ने शतक के बाद युवराज सिंह के साथ अपनी बातचीत के बारे में बताया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब वह शून्य पर आउट हुए थे तो युवराज बहुत खुश थे। उन्होंने कहा था, उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता क्यों, लेकिन जब मैं शून्य पर आउट हुआ तो वह बहुत खुश थे। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी शुरुआत है। मुझे लगता है कि उन्हें मेरे परिवार की तरह ही मुझ पर

बहुत गर्व होना चाहिए। युवराज और अभिषेक के बीच का रिश्ता काफी गहरा है। ये ऐसा ही है जो एक पूर्व और एक मौजूदा भारतीय क्रिकेटर के बीच होता है। अभिषेक ने एक वीडियो में कहा था, मैं उनकी वजह से इस स्तर पर खेल रहा हूं। उन्होंने मुझ पर बहुत मेहनत की है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में हेड को सलामी बल्लेबाज के तौर पर न भेजें : इयान चैपल

सिडनी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अगले माह शुरु हो रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर दिग्गज क्रिकेटरों की बयानबाजी जारी है। इसी कड़ी में आज ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने कहा है कि इस सीरीज में ट्रेविस हेड को पारी की शुरुआत के लिए नहीं भेजा जाना चाहिये। चैपल ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को सुझाव दिया है कि वह इस प्रकार की गलती नहीं करे। चैपल का मानना है कि हेड एकदिवसीय और टी20 में एक जबरदस्त सलामी बल्लेबाज हैं पर टेस्ट क्रिकेट इससे अलग है और उन्हें इसका कम ही अनुभव है।गौरतलब है कि डेविड वॉर्नर के संन्यास के बाद ऑस्ट्रेलिया को उनकी जगह पर सलामी बल्लेबाज के तौर पर अभी तक कोई अच्छा बल्लेबाज नहीं मिल पाया है। इस

कारण स्टीवन स्मिथ और हेड पारी की शुरुआत कर रहे हैं। स्मिथ सलामी बल्लेबाज के तौर पर अब तक सफल नहीं हुए हैं। सलामी बल्लेबाज के तौर पर उनका औसत 30 से भी कम रहा है, जबकि नंबर तीन और चार पर वे 60 से ज्यादा के औसत से खेलते रहे हैं।वहीं हेड इस समय ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े मैच विजेता खिलाड़ियों में शामिल हैं। खासकर भारत के खिलाफ उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 का फाइनल हो या विश्व कप 2023 फाइनल हो हेड की बदौलत ही ऑस्ट्रेलियाई टीम जीत रही है। इसके बाद भी इयान चैपल नहीं चाहते हैं कि हैड बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में शुरुआत करें ।इस पूर्व कप्तान ने कहा कि हेड एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट दोनों में नई गेंद का सामना करने में बेहद प्रभावी साबित हुए हैं। अपनी अत्यधिक आक्रामक शैली से वह खेल को बदल देते हैं पर टेस्ट क्रिकेट एकदम अलग है। इसमें आपको संयम के साथ खेलना होता है।चैपल ने कहा कि, जसप्रीत बुमराह को परेशान करने के लिए सभी कह रहे हैं कि हेड से पारी शुरु करायें। साथही कहा कि बुमराह और कुछ हद तक मोहम्मद सिराज अपनी आक्रामक मानसिकता को बदलेंगे से संभावना कम ही है। चैपल चाहते हैं कि ट्रेविस हेड के क्रीज पर आने से पहले बोर्ड पर कुछ रन होने चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय स्पिनर आर अश्विन भी अपनी फिरकी में उन्हें उलझा सकते हैं। इसलिए जब कुछ रन बन जायं तभी उन्हें उतारा जाना चाहिये। एक बार कुछ रन बन गये तो हेड अपने अंदाज में खेल सकते हैं।

आज करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं यशस्वी

नई दिल्ली। युवा क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल आज भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे हैं। यशस्वी ने अपने शानदार प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट टीम में भी जगह बना ली है। वह टी20 और टेस्ट के एक बेहतरीन खिलाड़ी के तौर पर सामने आये हैं। आज यशस्वी के पास करोड़ों की संपत्ति है पर उनका यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। यशस्वी आर्थिक रुप से एक बेहद कमजोर परिवार से आते हैं। एक समय क्रिकेट की बारिकियों को सीखने के लिए वह टेंट में भी रहे हैं हालांकि अभी वह क्रिकेट के कारण काफी अच्छी जिंदगी जी रहे हैं। वह अपनी कड़ी मेहनत के बल पर ही यहां तक पहुंचे हैं। यशस्वी ने आईपीएल में अपनी शानदार बल्लेबाजी के दम पर टीम इंडिया में जगह बनाई। वह आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार यशस्वी जायसवाल

की इस साल नेट वर्थ बढ़कर 16 करोड़ हो गई है। उन्होंने ये कमाई क्रिकेट के अलावा ब्रैंड के एंडोर्समेंट से की है। जायसवाल की मासिक आय करीब 35 लाख रुपये है जबकि सालाना आय 4 से 4.8 करोड़ के करीब है। कमाई का मुख्य जरिए उनका आईपीएल है। उन्हें आईपीएल से हर सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से 4 करोड़ मिलते हैं। यशस्वी जायसवाल के पिता भूपेंद्र जायसवाल की पेंट की दुकान है। वह बचपन में पिता का हाथ बंटाते थे. लेकिन उनका सपना क्रिकेटर बनने का था और उस सपने को लेकर वह 12 साल की उम्र में मुंबई पहुंच गये थे। यशस्वी को फरवरी 2024 में बीसीसीआई ने अपने सालाना अनुबंध के तहत बी कैटेगरी में रखा था। उन्हें बीसीसीआई से सालाना 3 करोड़ रुपये मिलते हैं। साल 2020 में यशस्वी ने राजस्थान रॉयल्स के साथ 2. 40 करोड़ में करार किया था जबकि 2022 में बढ़कर यह राशि 4 करोड़ पहुंच गई। क्रिकेट के मैदान पर शानदार प्रदर्शन करने के बाद यशस्वी की ब्रैंड वैल्यू भी बढ़ रही है। मौजूदा समय में वह कई बड़ी कंपनियों के विज्ञापनों में नजर आ रहे हैं. उनके पास बोट, जेबीएल इंडिया और फायरबोल्ट जैसी कंपनियों के विज्ञापन हैं। इससे उनकी लोक्रपियता तेजी से बढ़ी है। यशस्वी के पास आज महिंद्रा थार, टाटा हारियर और मर्सिडीज बेंज सीएलए 200 जैसी कारें हैं। इसके अलावा उनके पास एक आलीशान घर भी है।

विराट को आदर्श मानते हैं नित्या पंड्या

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया की अंडर19 टीम के खिलाफ दूसरे यूथ टेस्ट में 94 रन बनाने वाले भारतीय अंडर-19 टीम के खिलाड़ी नित्या पंड्या अपना आदर्श विराट कोहली को मानते हैं। नित्या के अनुसार विराट की तरह स्लेज करो और किंग की तरह बल्लेबाजी करो। नित्या ने ऑस्ट्रेलिया की अंडर19 टीम के खिलाफ दूसरे यूथ टेस्ट में 94 रन बनाये थे। नित्या की इस पारी से ही भारतीय अंडर-19 टीम ने मैच के पहले दिन ही 5 विकेट पर 316 रन बना लिए थे। नित्या ने इससे पहले यूथ टेस्ट मैच में 9 और 51 रन बनाये थे।नित्या के कोच दिग्विजय ने कहा, 'वह अपना स्वाभाविक खेल खेलता है और दबाव में नहीं आता।'वह शुरू से ही विराट से प्रभावित रहा है। उन्होंने कहा, 'मैदान पर लगातार बातें करना या स्लेज करना उसने कोहली को देखकर ही सीखा है। वह कोहली की तरह बनना चाहता है। कोहली के जैसे शॉट खेलना, आक्रामक रहना उसे सबसे अधिक पसंद है। इसलिए अगर वह मैदान पर शांत है तो समझ लीजिए कि उसके दिमाग में कुछ चल रहा होगा।'

भारतीय टीम की जीत का श्रेय गंभीर नहीं रोहित को दें : गावस्कर

मुम्बई। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा है कि बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में जीत का श्रेय कोच गौतम गंभीर को नहीं कप्तान रोहित शर्मा को दिया जाना चाहिये। गावस्कर ने कहा कि रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम पिछले कुछ साल में आक्रामक रणनीति से उतरते हुए जीत दर्ज कर रही है। रोहित के इस निडर प्रयास से टीम की शैली बदल रही है।गावस्कर ने कानपुर टेस्ट में भारत की जीत के लिए लिए गंभीर को अधिक मान्यता देने को गलत बताया है। साथ ही कहा कि ये एक प्रकार की चापलूसी है। गावस्कर ने लिखा, जबकि कप्तान बेन स्टोक्स और कोच मैकुलम के आने के बादद तहत इंग्लैंड की बल्लेबाजी का तरीका पूरी तरह से बदल गया, वहीं हमने पिछले कुछ वर्षों में देखा है कि रोहित भी इसी तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं और अपनी टीम को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। गंभीर को कोचिंग दिए हुए अभी कुछ महीने ही हुए हैं, इसलिए इस रवैये को गंभीर का बताना गलत है। साथ ही कहा कि गंभीर ने शायद ही कभी इस तरह से बल्लेबाजी की हो, जैसा मैकुलम किया करते थे। अगर कोई श्रेय

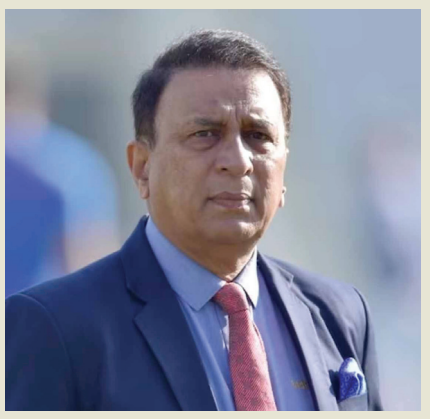

दिया जाना चाहिए, तो वह केवल रोहित को है और किसी और को नहीं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार इंग्लैंड के आक्रामक अंदाज के लिए बाजबॉल शब्द का प्रयोग हो रहा वह टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा है। इसमें बल्लेबाज आउट होने का डर नहीं रखता और खुलकर खेलता है।

व्यापार

शेयर बाजार तेजी के साथ खुला

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ खुला। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली हावी होने से आई है। सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 167.59 अंक करीब 0.21 फीसदी ऊपर आकर 81,802.40 पर पहुंच गया, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 43.55 अंक तकरीबन 0.17 फीसदी बढ़कर 25,056.70 पर कारोबार करता दिखा।सुबह गिफ्ट निफ्टी भी 25 अंकों की बढ़त के साथ 25,157 पर कामकाज करते दिखे। इसके अलावा एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों में भी तेजी आई।वहीं मंगलवार को अमेरिका में वॉल स्ट्रीट के प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे पिछले सत्र में हुआ नुकसान कम हुआ। निवेशकों ने फिर से तकनीकी शेयरों की ओर रुख किया और अब उनका ध्यान आगामी मुद्रास्फीति

के आंकड़ों और तीसरी तिमाही की आय रिपोर्ट पर लगा है। जापान का निक्केई 225 एक फीसदी बढ़ा, जबकि टॉपिक्स सूचकांक में 0.5 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। हांगकांग के हैंग सेंग सूचकांक में भी बढ़त रही और ये 20,964 पर पहुंच गया। इससे पहले सूचकांक में 16 साल की सबसे बड़ी गिरावट आई थी, जिसमें यह 9.41 फीसदी नीचे आकर 20,926.79 पर बंद हुआ था।दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 सूचकांक 0.4 फीसदी बढ़कर खुला। वहीं अमेरिका के बाजारों में बढ़त दर्ज की गई पर तेल की कीमतों में गिरावट आई। एसएंडपी 500 में 0.97 फीसदी, नेसडेक कंपोजिट में 1.45 फीसदी, और डॉओ जोंस में 0.3 फीसदी की तेजी रही।इससे पहले गत दिवस शेयर बाजार में बढ़त रही।पिछले कई दिनों से ईरान-इजराइल तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और एफपीआई की ओर से शेयरों में भारी बिकवाली थी मगर आज यह सिलसिला रुक गया।

अब यूपीआई लाइट के जरिए एक बार में होगा एक हजार रुपये का भुगतान

वॉलेट की सीमा 2000 हजार रुपये से बढ़ाकर 5 हजार रुपये की गई

मुंबई,। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) की बढ़ती लोकप्रियता को बढ़ावा देने के मकसद से यूपीआई लाइट के जरिए लेन-देन की सीमा बढ़ाकर एक हजार रुपये और वॉलेट की सीमा 5 हजार रुपये करने का प्रस्ताव किया है। फिलहाल यूपीआई लाइट के जरिए लेन-देन की सीमा 500 रुपये और 2 हजार रुपये है। आरबीआई इस बारे में जल्दी ही दिशा-निर्देश जारी करेगा। तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा में लिए गए फैसले की जानकारी देते हुए बुधवार को आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि लगातार नवोन्मेष और स्वीकार्यता के साथ यूपीआई ने डिजिटल भुगतान को आसान और समावेशी बनाकर देश के वित्तीय परिदृश्य को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि ऑफलाइन डिजिटल माध्यम से छोटे मूल्य के भुगतान की सुविधा के लिए यूपीआई लाइट से जुड़ी आरबीआई की रूपरेखा में उपयुक्त संशोधन किया जाएगा। इसके अलावा 'यूपीआई 123 पे' की सुविधा

अब 12 भाषाओं में उपलब्ध होगी शक्तिकांत दास ने आगे कहा कि यूपीआई के उपयोग को और प्रोत्साहित करने तथा और समावेशी बनाने को लेकर यूपीआई 123 पे में प्रति लेन-देन की सीमा 5 हजार रुपये से बढ़ाकर 10 हजार रुपये करने का प्रस्ताव किया गया है। इसके साथ ही यूपीआई वॉलेट की सीमा 2 हजार रुपये से बढ़ाकर 5 हजार रुपये करने और प्रति लेन-देन की सीमा को भी एक हजार रुपये करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक कोष अंतरण (एनईएफटी) और रियल टाइम ग्रास सेटलमेंट सिस्टम (आरटीजीएस) में भी कोष अंतरण को अंतिम रूप देने से पहले यूपीआई और तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) की तरह खाताधारक के नाम के सत्यापन की सुविधा मिलेगी। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वर्तमान में यूपीआई और आईएमपीएस के तहत पैसा भेजने से पहले भेजने वाले को प्राप्तकर्ता यानी लाभार्थी के नाम को सत्यापित करने की सुविधा मिलती है। शक्तिकांत दास ने कहा कि अब आरटीजीएस और एनईएफटी के तहत राशि भेजने से लाभार्थी के नाम के सत्यापन की सुविधा मिलेगी। इससे गलत व्यक्ति को पैसा जाने और धोखाधड़ी की आशंका कम होगी। उन्होंने कहा कि आरबीआई इससे संबंधित दिशा-निर्देश को जल्द ही जारी करेगा।

शेयर बाजारों में गिरावट से मस्क, अडाणी व अंबानी को हुआ अरबों डॉलर का नुकसान

नई दिल्ली,। घरेलू शेयर बाजार में गिरावट जारी रही, जिससे वैश्विक अमीरों की संपत्तियों पर भी असर डाला है। अमेरिकी शेयर बाजारों में गिरावट से दुनिया के 20 में से 16 प्रमुख अरबपतियों की नेटवर्थ में गिरावट आई है। सबसे ज्यादा नुकसान टेस्ला के मालिक एलन मस्क को हुआ है, जिनकी संपत्ति में 6.61 अरब डॉलर की गिरावट आई। वहीं, ऐमजॉन के संस्थापक जेफ बेजोस ने 5.12 अरब डॉलर गंवाए और भारत के उद्योगपति गौतम अडानी की संपत्ति में 3.26 अरब डॉलर की गिरावट आई। एशिया के सबसे अमीर इंसान मुकेश अंबानी को 1.16 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।एक रिपोर्ट के मुताबिक अडानी की कुल संपत्ति 96.2 अरब डॉलर

है, जिससे वह दुनिया के अमीरों की सूची में 18वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी संपत्ति 11.9 अरब डॉलर बढ़ी थी। मुकेश अंबानी इस सूची में 14वें नबर पर हैं और उनकी संपत्ति इस साल 104 अरब डॉलर है। एलन मस्क 256 अरब डॉलर के साथ दुनिया के सबसे अमीर इंसान बने हुए हैं, जबकि मार्क जुकरबर्ग, जेफ बेजोस और बर्नार्ड अरनॉल्ट अन्य शीर्ष स्थानों पर हैं। भारत के शेयर बाजार में सोमवार को सेंसेक्स 638 अंक गिर गया था, जिससे निवेशकों को करीब 20 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। वहीं इसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। कुछ जगहों पर दाम कम हुए हैं जबकि कुछ में बढ़े हैं। कर्नाटक, केरल और एमपी समेत अन्य प्रदेशों में पेट्रोल-डीजल के दाम घटे हैं। वहीं, असम, बिहार, छत्तीसगढ़ और गोवा समेत कुछ राज्यों में भी कीमतें बढ़ी हैं। गाजियाबाद में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर पर है। लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर और जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है.चार महानगरों की बात करें तो केवल चेन्नई में पेट्रोल की कीमतें

बढ़ी हैं।दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.85 रुपये और डीजल 92.44 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। .

सोने और चांदी की कीमतें बढ़ी

नई दिल्ली। त्यौहारी सीजन शुरु होते ही घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को सोने और चांदी के वायदा कारोबार की सकारात्मक शुरुआत रही है। दोनों के वायदा भाव बढ़त के साथ खुले। आज सोने के वायदा भाव 75,200 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 89,100 रुपये के करीब कारोबार करते दिखे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के भाव बढ़े हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज उछलकर हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज 10 रुपये की तेजी के साथ ही 75,171 रुपये पर खुला। इस समय ये 75,190 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 75,153 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने का वायदा भाव इस

साल 76,630 रुपये के सबसे उच्च स्तर पर पहुंचा।चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज 361 रुपये की तेजी के साथ 89,100 रुपये पर खुला। ये 89,161 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 89,085 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा।वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कामेक्स पर सोना 2,640.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 2,635.40 डॉलर प्रति औंस था। इसके अलावा कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.86 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 30.60 डॉलर था।

बघीरा की रिलीज डेट का एलान

31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में धमाल मचाएगी कन्नड़ स्टार श्रीमुरली की थ्रिलर फिल्म

होम्बले फिल्म्स अपने आगामी फिल्म बघीरा के साथ सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है. मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया है. एक्शन से भरपूर फिल्म इसी साल अक्टूबर में रिलीज हो रही है. इस फिल्म में कन्नड़ स्टार श्रीमुरली अहम भूमिका में नजर आएंगे. बुधवार को होम्बले फिल्म्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर बघीरा के नए पोस्टर के साथ रिलीज डेट का एलान किया. पोस्टर में भारी बारिश में एक मास्क की झलक दिखाई है, साथ फिल्म की रिलीज डेट भी मेंशन किया गया है. इस पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, न्याय की तलाश शुरू. बघीरा 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में धूम मचाएगी. होम्बले फिल्म्स की निर्मित यह फिल्म, जिस पर श्रीइमुरली ने मई 2022 में काम करना शुरू किया था, 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आ रही है. कुछ दिन पहले, फिल्म की तारीख को लेकर काफी चर्चा हुई थी कि किच्चा सुदीप की मैक्स की संभावित रिलीज डेट क्या हो सकती है. ध्रुव सरजा की मार्टिन 11 अक्टूबर और शिवराजकुमार की भैरथी रानागल 15 नवंबर को रिलीज होने वाली है, ऐसे में उपेंद्र दिवाली पर फिल्म रिलीज करने की सोच रहे थे, जबकि मैक्स की रिलीज डेट पर काफी समय से अनिश्चितता बनी हुई है.<बघीरा, प्रशांत नील की कहानी है जिसका निर्देशन डॉ. सूरी कर रहे हैं, जिन्होंने कई साल पहले यश के साथ लकी बनाई थी. श्रीमुराली एक टफ पुलिस वाले अवतार में दिखाई देंगे. एक्टर की जोड़ी सप्त सागरदाचे एलो फेम एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत के साथ बनाई गई है. रुक्मिणी की दो बैक-टू-बैक फिल्में बघीरा और भैरथी रानागल रिलीज होंगी. बघीरा को केजीएफ और सलार पार्ट वन: सीजफायर के निर्देशक प्रशांत नील ने लिखा है.

कार्तिक आर्यन-विद्या बालन की भूल भुलैया 3 का ट्रेलर रिलीज पोस्टपोन

कार्तिक आर्यन और विद्या बालन के साथ मिलकर अपनी आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 का प्रमोशन शुरू कर दिया है. प्रमोशन के बीच फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है. खबर है कि भूल भुलैया 3 का ट्रेलर रिलीज पोस्टपोन कर दिया गया है. भूल भुलैया 3 ट्रेलर 6 अक्टूबर को रिलीज होने वाला था. बताया जा रहा है कि कुछ आखिरी मिनट के बदलाव किए गए है, जिसके कारण ट्रेलर को रिलीज करने में समय लग रहा है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भूल भुलैया 3 के मेकर्स ने अपना ट्रेलर रिलीज करने का फैसला किया था. हालांकि, उन्होंने इसे पोस्टपोन कर दिया है. मेकर्स सिंघम अगेन के ट्रेलर रिलीज के बाद भूल भुलैया 3 का ट्रेलर रिलीज करने का प्लान कर हैं. हालांकि भूल भुलैया 3 के ट्रेलर पर मेकर्स की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है. उधर सोशल मीडिया पर फैंस भूल भुलैया 3 के ट्रेलर को लेकर सवाल करना शुरू कर दिए हैं. एक एक्स (पूर्व में ट्विटर) यूजर ने सवाल करते हुए पूछा है, ट्रेलर कहां है भूल भुलैया 3 का? वहीं, एक यूजर ने सवाल ने किया है, भूल भुलैया 3 ट्रेलर का क्या हुआ भाई? आज रिलीज होने वाला था ना? क्या सिंघम फिर से ट्रेलर के रिस्पॉन्स का इंतजार कर रहे हैं भूल भुलैया 3 के मेकर्स?. एक ने लिखा है, भूल भुलैया 3 का ट्रेलर नहीं आने वाला है क्या आज? मेकर्स ने 9 दिन पहले यानी 27 सितंबर को भूल भुलैया 3 का टीजर लॉन्च किया था. टीजर से फैंस को पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है. रूह बाबा वर्सेज मंजूलिका की स्टोरी देखने के लिए फैंस और दर्शक फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. अनीस बज्मी भूल की निर्देशित भूल भुलैया सीरीज की तीसरी किस्त के साथ सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है. फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ विद्या बालन ने वापसी किया है. फिल्म तृप्ति डिमरी भी हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक माधुरी दीक्षित भी नजर आ सकती हैं. भूल भुलैया 3 दिवाली के मौके पर रिलीज हो रही है. इसका मुकाबला रोहित की सिंघम अगेन से होगा.

ऑल ब्लैक आउटफिट पहन नेहा धूपिया दिखीं गॉर्जियस, बेटे को पैपराजी के कैमरे से बचाती आईं नजर

बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा धूपिया इन दिनों भले ही फिल्म इंडस्ट्री से दूर हैं, लेकिन वो आए दिन अपनी हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। ये ही नहीं एक्ट्रेस जब भी कही पर जाती हैं तो पैपराजी की निगाहें उन पर से हटने का नाम नहीं लेती हैं। अब हाल ही में नेहा धूपिया अपने बेटे को लेकर कही पर जा रही थी। इस दौरान वो अपने बेटे को पैपराजी की नजरों से बचाती हुई नजर आईं। एक्ट्रेस नेहा धूपिया आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से लोगों को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। वो हमेशा अपने स्टाइलिश फैशन स्टेटमेंट्स के कराण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। अब हाल ही में पैपराजी ने उन्हें कही पर जाते हुए स्पॉट किया। इस दौरान एक्ट्रेस ने ऑल ब्लैक कलर का आउटफिट पहना हुआ था। आखों में सनग्लासेस और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। खुले बाल, नो मेकअप लुक और हाथों में डियॉर का बैग पकड़कर एक्ट्रेस बेहद ही खूबसूरत लुक में नजर आईं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस नेहा धूपिया अपने बेटे को पैपराजी के कैमरे से बचाती हुई दिखाई दे रही हैं। बता दें एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। वो आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स भी पहन कर शेयर करती रहती हैं।

आलिया भट्ट की जिगरा का टाइटल ट्रैक आउट

वेदांग रैना ने अपनी आवाज से जीता फैंस का दिल

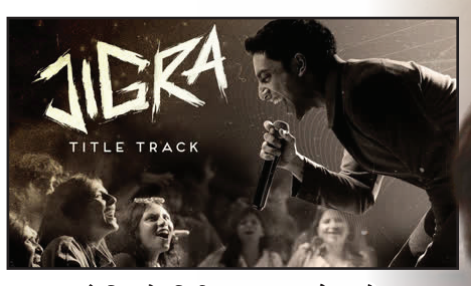

आलिया भट्ट और वेदांग रैना की आलिया भट्ट की जिगरा 11 अक्टूबर को रिलीज होने जा रही है. उसके पहले हाल ही में मेकर्स ने इसका टाइटल ट्रैक रिलीज किया है. जिसे खुद वेदांग ने गाया है. टाइटल ट्रैक एक मोटिवेशनल एंथम है जिसके लिरिक्स वरुण ग्रोवर ने लिखे हैं. टाइटल ट्रैक में वेदांग की आवाज फैंस को काफी पसंद आई और कमेंट सेक्शन तारीफों से भर गया. आलिया भट्ट और वेदांग रैना स्टारर जिगरा अपनी रिलीज से कुछ ही दिन दूर है. वहीं फिल्म का ट्रेलर और गाने पहले ही दर्शकों के बीच पॉपुलर हो चुके हैं. मकेर्स ने अब वेदांग की आवाज में फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज किया है जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं. गाने में वेदांग को हम एक रॉकस्टार की झलक देते हुए देख सकते हैं वह अपनी मेलोडियस आवाज के साथ दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ रहे हैं. इस गाने के लिरिक्स वरुण ग्रोवर ने लिखे हैं और अचिंत ने इसे कंपोज किया है. गाने पर रिएक्शन देते हुए कई फैंस ने कमेंट सेक्शन में वेदांग की खूब तारीफ की. एक फैन ने लिखा, वेदांग काफी टैलेंटेड है ये अगली पीढ़ी का सुपरस्टार है. एक अन्य फैन ने लिखा, शानदार गीत.. बिना किसी शक के वेदांग बड़े स्टार्स बनेंगे एक ने लिखा, आलिया और वेदांग अपना जादू बिखेरने के लिए तैयार हैं. एक ने लिखा- वॉव मैं इसका इंतजार नहीं कर सकता. वासन बाला द्वारा निर्देशित, आलिया भट्ट और वेदांग द्वारा निर्देशित जिगरा भाई-बहन की कहानी है. ट्रेलर में, हम देखते हैं कि आलिया का किरदार अपने भाई अंकुर को मौत की सजा सुनाए जाने के बाद उसे बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है. फिल्म को वासन ने देबाशीष इरेंगबाम के साथ मिलकर लिखा है. फिल्म का निर्माण करण जौहर, अपूर्व मेहता, आलिया भट्ट, शाहीन भट्ट और सोमेन मिश्रा द्वारा किया गया है. यह फिल्म इस शुक्रवार यानी 11 अक्टूबर 2024 को विशेष दशहरा वीकेंड पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है. दिलचस्प बात यह है कि यह राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की कॉमेडी फिल्म, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के साथ भी भिड़ेगी, जो उसी दिन रिलीज होगी.

बिग बॉस 18 में स्वैग से नायरा बनर्जी ने ली एंट्री

सलमान खान से कहा, ट्रॉफी जीतने के इरादे से आई हूं

बिग बॉस 18 में अभिनेत्री नायरा बनर्जी की एंट्री हो गई है। कलर्स टीवी पर प्रसारित शो बिग बॉस 18 में रविवार को उन्होंने एक शानदार डांस की प्रस्तुति देते हुए घर में प्रवेश किया। अभिनेत्री तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्मों के अलावा दिव्य दृष्टि और जबान संभाल के जैसे टेलीविजन शो में दिखाई दी हैं। शो के होस्ट सलमान खान ने गर्मजोशी के साथ नायरा बनर्जी का स्वागत किया। सलमान ने मंच पर मौजूद शो के अन्य सदस्यों से नायरा को मिलाते हुए उनसे पूछा कि वह किस इरादे से शो में आई हैं। सलमान खान के सवाल पर नायरा ने कहा, शो जीतने के इरादे से आई हूं। घर ट्रॉफी लेकर जाना है। सलमान ने उनसे दूसरा सवाल पूछा क्या घर में आप दोस्त बनाना चाहेंगी। इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री नायरा ने कहा, हां बिल्कुल दोस्त क्यों नहीं बनाना चाहूंगी। बता दें कि अभिनेत्री ने कहा था कि लोगों को लगता है कि सिर्फ चिल्लाने और लडने से ही कंटेंट बनता है या व्यक्तित्व दिखता है। मैं उस अवधारणा में विश्वास नहीं करती। मुझे लगता है कि आपका असली व्यक्तित्व वह है जहां प्यार और करुणा के साथ आप कई स्थितियों को भी सुलझा सकते हैं और फिर भी अपनी बात पर अड़े रह सकते हैं और अपनी राय रख सकते हैं। और यही मेरी कोशिश होगी। अपनी रणनीति के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि रणनीतियां पूरी होंगी या काम करेंगी या नहीं। इसलिए बेहतर है कि आप बिना रणनीति बनाए ही आगे बढ़ें। वहीं, आपकी मन:स्थिति, आपकी सूझबूझ आपको सही रास्ता दिखाएगी और आपको सही काम करने के लिए प्रेरित करेगी। ऐसा मेरा विश्वास है। रियलिटी शो कंटेंट के स्क्रिप्टेड होने के आरोप लगे हैं।

Bankers Should Come Forward to Make the Government Schemes success- DM

DM admitted- Bankers unwilling to sanction loans but did not took any action aganst them

BNM@Motihari

MOTIHARI : On Wednesday, a loan distribution camp was organized along with a review meeting of the progress of various government schemes run by the Industry Department in the hall of Dr. Rajendra Prasad Sabha Bhawan is located in the Collectorate of the city. District Magistrate Saurabh Jorwal, while chairing the meeting, said that bankers should come forward without hesitation to make the government schemes successful and approve loans by adopting a supportive behavior with the people so that the target of employment generation can be achieved. In the said meeting, the schemes of the Industry Department such as PMEGP, PMFME and PM Vishwakarma Yojana were reviewed. District General Manager Industries said that a total target of 603 has been achieved in this financial year in the PMEGP scheme, against which 835 applications have been forwarded to various banks, in which various banks have approved 216 applications only and distributed loans to 39 applicants. In PMFME scheme, 709 applications have been forwarded to various banks against the target of 440 in this financial year, in which 135 applications have been approved by various banks and disbursed to 60 applicants. In PM Vishwakarma scheme, a total of 3676 applications have been forwarded by the district level committee in this financial year. In this loan camp, 63 applications in PMEGP were approved by various banks and loans were disbursed to 18 applicants, the amount of which is Rs 263.78 lakh and Rs 79 lakh. In PMEGP scheme, 24 applications were approved by various banks and loans were distributed to 03 applicants, the amount of which is Rs 91.45 lakh and Rs 12 lakh. Apart from this, 4 applications were approved in PM Vishwakarma scheme, the amount of which is Rs 4 lakh. In this review meeting, the District Magistrate said that the banks should calculate the target on a monthly basis and achieve their target by October 2024. Representatives of all banks were directed that the bank branch which has not achieved its target should give priority to the achievements of government schemes. The tendency of approving loans at the end of the financial year should be avoided so that the subsidy benefits can be availed on time. The District Magistrate directed the Block Development Officer to conduct second level investigation in PM Vishwakarma Yojana. In this regard, it was instructed that the Block Development Officer should investigate the applicants and submit the investigation report to the General Manager District Industries Center daily so that timely action can be taken on it. In the said meeting, LDM Gopal Prasad told that 2765000 accounts have been opened in the district.

Five-day Ramcharitmanas Performance Begins At Kesaria

BNM@KESARIA

The five-day Ramcharit Manas Abhinaya (Ramlila) organized by Vividh Kala Vikas Samiti at Nayagaon Panshala Chowk started on Tuesday. The inauguration was done by lighting the lamp by the chief guest Shakti Sharananand Saraswati Maharaj alias Chanchal Baba, Peethadheeshwar of Paramba Shaktipeeth Motihari. During this, the chairman of the Puja organizing committee Upendra Kumar Yadav honored the chief guest by presenting him with a shawl and Ramcharit Manas religious book. After this, the program was started with Saraswati Vandana. In the first evening, Shravan Samvad, Vishnulok, Ramjanam, Ravana-Vedavati Samvad and Tadika Vadh were staged. In which Krishna Kumar played the role of Shravan, Alam Mohammad Raja Dashrath, Ranjit Kumar Gupta Shravan's father, Nikki Kumari Shravan's mother. Apart from this, other artists also brought various roles to life. It will be organized every day till October 12 under the able direction of producer Ramadhar Prasad and director Ranjan Kumar. It may be recalled here that Durga Puja, Ramlila has been organizing at Nayagaon Panshala Chowk for about a decade. It was not being organized during the Corona period. But after the situation became normal, it again organized this year. On the occasion of inauguration, RJD State Council member Awadhesh Yadav, Mukhiya Ashok Kumar Gupta, former Mukhiya Harendra Sah, Sarpanch Vinod Gupta, Harikishore Prasad, Shambhu Prasad Yadav, former Mukhiya Virendra Prasad Yadav, Prashant Yadav, Chandan Kumar, Bablu Kumar, Shambhulal Sah, Ashok Yadav and a large number of spectators were present.

BJP Membership drive in Full Swing in Kesaria

BNM@KESARIA

Under the membership campaign of BJP Minority Front, a program was organized on Wednesday at the residence of party leader Imtiaz Ahmed in Rampur Bairiya under the block area. During this, about 150 people took primary membership of BJP in the presence of former state president of the Front Tufail Khan Qadri and party district president Prakash Asthana. Addressing the program, the former state president said that BJP works for the benefit of all communities along with the minority. As a result of this, BJP has become the largest party in the country. This is the result of the hard work of all the active workers. He said that influenced by the policy and principles of the party, people of the minority community are joining the party in large numbers. The program was also addressed by party leaders Mohibul Haque, Arvind Nath Giri, Anand Singh and others. The program was presided over by former divisional president of the party Minority Front Imtiaz Ahmed and conducted by Kausar Ansari. Amjad Khan, Raju Khan, Shaukat Ali, Farooq Alam, Mo Rafi, Shakib Zamani, Guddi Devi, Amjad Khan and others were present on the occasion.

Government's Move to Close Mashrooming Private School

BNM l Mrityunjay Pandey

A total of 1701 schools in East Champaran had applied for recognition, but only 259 got recognition

SUGAULI : The education department of Bihar has tightened the noose on private schools only to bring quality in educational institutions. The education department had issued an order to update the Aadhaar of children of all private schools on e-Shiksha Kosh by 28 September. But the result was contrary to expectations. At the same time, the process of application for recognition was also started for private schools which could not get recognition yet. A good number of private schools of East Champaran submitted applications for getting recognition. But out of a total of 1701 applications, only 259 schools were found able to fulfill the specified eligibility. In the standards for opening private schools by the Bihar government, it has been said that

One acre of land should be mandatory and as per new government guidelines

Now only registered societies will get permission to open private schools. At the same time, to open a private school in urban areas, a minimum of one acre of land, one and a half acres in unmandated areas and two acres of land in rural areas will have to be ensured for opening a school. If there is less land than required. then recognition will not be given. The government has clearly ordered that if the land is not available as per the standard, then they should forget about the NOC, the application itself will be rejected.

The government has a clear stand that the proposal to open private schools will be considered only if the prescribed qualification is fulfilled.

At the same time, the qualifications for teachers of private schools have been fixed. The minimum qualification to teach in private primary schools is graduation along with passing B.TET, C.TET, along with two years diploma in primary education under the Teacher Education Council and six months bridge course in primary education from NCTE. Only those candidates can become teachers in primary schools. As for the secondary and higher secondary schools is concerned the land, building structure, management system and qualifications for teaching of teachers are also the same as those teaching in government schools of these levels. Due to the strict stand of the government for private schools, the path has now become full of thorns for those private schools which are running private schools by flouting government standards in small houses in the streets and localities from villages to cities, in small commercial buildings built to open shops and by putting asbestos on a few kattha of land.

Notably, in these so called private schools running in villages, towns and streets of cities, the qualifications of teachers are also not as per the government standards but as per the wish of the school operator. Only 10th, 11th, 12th passed young men, women, men and women who are willing to do teaching work for less money are their first preference.

BIG Catch: Lady Don "Rita Singh' 46 arrested from Gaya in Bihar

Evading police arrests, she joined spiritual Guru Sri Sri Ravi Shankar

Sagar Suraj

MOTIHARI: IN a joint operation of special task force (STF) and Motihari Police, Rita Singh, a 46-year-old woman from East Champaran district, has been arrested in Gaya for her alleged involvement with "Azad Hind Fauz", a banned outfit.

Interestingly, despite carrying dozens of cases, she was a preacher for the Art of Living, a spiritual organization founded by Sri Sri Ravi Shankar. Rita Singh's story is quite complex - after her husband, Jitendra Singh, was killed in 2005, she joined Azad Hind Fauz to avenge his death. Her husband had criminal antecedents and was a popular Mukhia of Betauna Panchayat in Patahi. It's worth noting that Rita Singh was considered a revered figure among prisoners, whom she would visit and preach to as part of the Art of Living program. However, she had been evading the police since 2011 and was carrying a bounty of Rs 50,000 on her head. The Azad Hind Fauz, a splinter group of CPI (Maoist), is known for its stronghold in the eastern part of the district and its involvement in illegal activities such as extortion from brick kilns, businessmen, and contractors.

The Superintendent of Police, Swarn Prabhat, mentioned that Rita Singh had joined the Art of Living group to dodge the police. Her arrest is seen as a significant catch for the authorities. Azad Hind Fauz initially took support of local landlords against naxals but later on it also joined in the same extortion, kidnapping, murder for which naxals were defamed.

BENGAL ARTISAN OUTSTANDING CREATION AT BALUA DURGA PUJA PANDAL